दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

चंडीगढ़ । वीरवार, 31 अक्तूबर, 2024 | वर्ष 22, अंक 267, मूल्य: 3 रुपए | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल अस्पताल, पंचकूला में पैथोलॉजी, डमेटोलॉजी (त्वचा), मनोचिकित्सा और अस्पताल प्रशासन में डीएनबी डिग्री कार्यक्रमों को प्रदान की स्वीकृति

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़ (सिटी दर्पण)

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा प्रदेश में चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी को दूर करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला में पैथोलॉजी, डमेटोलॉजी (त्वचा), मनोचिकित्सा और अस्पताल प्रशासन में डीएनबी डिग्री कार्यक्रम शुरू करने को मंजूरी प्रदान की है। इससे राज्य में विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान में, हरियाणा के 12 अस्पतालों में विभिन्न चिकित्सा विशिष्टताओं में सात डिग्री और आठ डिप्लोमा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिनमें प्रति वर्ष कुल 81 सीटें हैं। अब तक, 148 छात्रों ने इन कार्यक्रमों में दाखिला लिया है। उल्लेखनीय है कि 50 प्रतिशत सीटें राज्य के सेवारत उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जिससे हरियाणा के लोगों के लिए विशेष सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

इन नए डिग्री पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्तापूर्ण निदान सेवाएं स्थापित करना है, जो हिस्टोपैथोलॉजी, हेमाटोलॉजी, इम्यूनोपैथोलॉजी, सर्जिकल पैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी, क्लिनिकल पैथोलॉजी, ब्लड बैंकिंग आदि पर केंद्रित हैं। डीएनबी मनोचिकित्सा कोर्स मेडिकल स्नातकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे वे गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम होंगे। डीएनबी डमेटोलॉजी (त्वचा) में त्वचा और यौन संचारित संक्रमणों के बारे में व्यापक प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीएनबी अस्पताल प्रशासन कुशल अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

ये कार्यक्रम राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड के दिशा-निदेशों के अनुरूप होंगे तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमों और पाठ्यक्रम मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। यह पहल हरियाणा की सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के सरकार के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। रोगी देखभाल में सुधार की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में हरियाणा में क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित सभी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवाओं को मंजूरी प्रदान की है।

रक्षा उत्पादन और निर्यात में देश की यात्रा पर हर भारतीय गर्व कर सकता है: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा उत्पादन और निर्यात में देश की वृद्धि की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि हर भारतीय इस यात्रा पर गर्व कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने स्टार्टअप्स, निमार्ताओं और नवेन्मेषकों को इस क्षेत्र का हिस्सा बनने का आह्वान किया।

सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर एक पोस्ट में उन्होंने युवाओं, स्टार्टअप्स, निमार्ताओं और नवेन्मेषकों से कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र उन्हें बुला रहा है। उन्होंने कहा, यह इतिहास का हिस्सा बनने का उनका अवसर है। मोदी ने कहा, भारत को आपकी विशेषज्ञता और उत्साह की जरूरत है। नवाचार के लिए दरवाजे खुले हैं, नीतियां सहायक हैं, और अवसर अभूतपूर्व है। साथ मिलकर, हम भारत को न केवल रक्षा में आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि रक्षा विनिर्माण में एक वैश्विक नेता बनाएंगे। उन्होंने भारत की रक्षा क्रांति ने उड़ान भरी शीर्षक से लिखे आलेख में कहा, आइए, साथ मिलकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस समय रक्षा बलों को महत्वपूर्ण उपकरणों की कमी का सामना करना पड़ता था, उस समय से लेकर आज आत्मनिर्भरता के युग तक, यह ऐसी यात्रा है जिस पर हर भारतीय गर्व कर सकता है। वडोदरा में स्पेन के शासनाध्यक्ष पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त रूप से सी-295 विमान विनिर्माण परिसर का उद्घाटन करने के कुछ दिन बाद मोदी ने इसे भारत की रक्षा और एयरोस्पेस यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, निष्पादन की गति शानदार है। शिलान्यास के बाद केवल दो वर्षों में परिचालन सुविधा तक ! यह नयी कार्य संस्कृति और भारत के लोगों की क्षमता की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। अपने दावे के समर्थन में आंकड़े देते हुए, मोदी ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपये (2023-24) तक बढ़ गया है और इसका निर्यात 2014 में 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर आज 21,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि केवल तीन वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का उत्पादन स्वदेश में किया गया है और रक्षा पीएसयू द्वारा घरेलू विक्रेताओं में 7,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास बजट का 25 प्रतिशत उद्योग के नेतृत्व वाले नवाचार के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि संख्या के अलावा ऐसी चीजें भी हैं जो हर किसी को बहुत खुश करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि संपूर्ण रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव हो रहा है। उन्होंने कहा, विनिर्माण में, स्वदेशी युद्धपोत पानी में गश्त कर रहे हैं जबकि मेड-इन-इंडिया मिसाइलों ने देश की जवाबी क्षमता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निर्मित बुलेटप्रूफ जैकेट सैनिकों की रक्षा कर रहे हैं और भारत रक्षा में आत्मनिर्भर बन रहा है और शीर्ष रक्षा उपकरण निमार्ता बनने के लिए भी काम कर रहा है।

अयोध्या में दीपोत्सव पर बना विश्व कीर्तिमान , योगी ने किया अभिनंदन

एजेंसी
अयोध्या

दीपावली की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव के आठवें संस्करण के दौरान बुधवार को सरयू नदी के किनारे 25,12,585 दीयों की रोशनी से जगमगाती प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या का नजारा अद्भुत था। इस साल 22 जनवरी को रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला दीपोत्सव था, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने कैबिनेट मंत्रियों और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ समारोह का नेतृत्व कर रहे थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णायक प्रवीण पटेल ने बुधवार शाम को नए विश्व रिकॉर्ड की भी घोषणा की, जहां वे गिनीज कंसल्टेंट निश्चल भरोट के साथ सत्यापन के लिए आए थे। पटेल ने कहा, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और सरयू आरती समिति सबसे अधिक 1,121 लोगों द्वारा आरती करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के खिताब धारक हैं। आप सभी को बधाई हो। दूसरे विश्व रिकॉर्ड के बारे में गिनीज निर्णायक दल ने कहा, कुल 25,12,585 दीये जलाकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, सबसे अधिक दीयों के एक साथ प्रज्वलन के लिए नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के खिताब धारक हैं। पटेल ने कहा कि वह एक नहीं बल्कि दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताबों को सत्यापित करके बहुत प्रसन्न हैं - एक साथ सबसे ज्यादा लोगों द्वारा आरती करने का और दूसरा सबसे अधिक दीयों का प्रज्वलन।

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने मुख्य सचिव डॉ. टीवीएसएन प्रसाद की विदाई के लिए समारोह का किया आयोजन

डॉ. टीवीएसएन प्रसाद 31 अक्टूबर, 2024 को मुख्य सचिव के पद से होंगे सेवानिवृत्त

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आज यहां 1988 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. टीवीएसएन प्रसाद के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. टीवीएसएन प्रसाद 31 अक्टूबर, 2024 को मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त होंगे। समारोह में विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, निदेशक और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

वरिष्ठ अधिकारी डॉ. टीवीएसएन प्रसाद को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए और 36 वर्षों से अधिक की समर्पित सेवा के दौरान उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों को याद किया। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने राज्य सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने केंद्र सरकार और विश्व बैंक में भी में भी विभिन्न भूमिकाओं पर सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने डॉ. प्रसाद के मार्गदर्शन में काम करने के अपने अनुभव साझा किए और उम्मीद जताई कि उनकी अंतर्दृष्टि उनके पेशेवर सफर में मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करती रहेगी।

- डॉ. टीवीएसएन प्रसाद ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और विश्व बैंक में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया
- विकास कार्यों में रही अहम भागीदारी

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से डॉ. प्रसाद को उनके योगदान के सम्मान में गुलदस्ता, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य सचिव डॉ. टीवीएसएन प्रसाद ने अपने शानदार कार्यकाल के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके साथ कार्य करने वाले अधिकारियों की टीम की सराहना की। डॉ. प्रसाद ने कहा कि वे इस बात के लिए भी आभारी हैं कि मुख्य सचिव के रूप में उनके साढ़े सात महीने के कार्यकाल के दौरान दो चुनाव- लोकसभा, विधानसभा और शपथ ग्रहण समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

पूरे प्रदेश में खेतों के रास्तों को किया जाएगा पक्का: कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- किसान पराली जलाने की बजाए करें, उचित प्रबंधन, पराली खेत में करती है पोषक तत्वों का काम: राणा
- कृषि मंत्री ने स्वयं हैप्पी सीडर और सुपर सीडर मशीन को खेत में चलाया।
- करनाल जिला के तरावड़ी में स्थित किसान के फार्म हाउस पर पहुंचे थे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा बुधवार को करनाल जिला के तरावड़ी में एक किसान के फार्म हाउस पर पहुंचे। यहां उन्होंने किसान द्वारा किए जा रहे पराली प्रबंधन के कार्य को देखा और स्वयं भी हैप्पी सीडर व सुपर सीडर मशीन को खेत में चलाया। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसान के लिए उसके खेत में जाने वाला रास्ता सबसे महत्वपूर्ण होता है, ऐसे में पूरे प्रदेश में खेतों के रास्तों को पक्का किया जाएगा। इस दौरान नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी भी उनके साथ रहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पराली प्रबंधन किसान के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी अति आवश्यक है। पराली को यदि खेत में ही मिला दिया जाए तो यह जमीन को पोषक तत्व देती है। इससे जमीन को खाद की भी कम आवश्यकता पड़ती है। इसके साथ-साथ प्रदूषण नहीं होता और पर्यावरण साफ रहता है। ऐसे में किसानों को अधिक से अधिक पराली प्रबंधन करना चाहिए। हरियाणा सरकार पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दे रही है। अभी 1 लाख 882 मशीनों पर सब्सिडी दी गई है। आने वाले वर्षों में और अधिक मात्रा में मशीनों पर सब्सिडी दी जाएगी।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जीवन के लिए जिस प्रकार से भोजन की जरूरत होती है, उसी तरह से स्वच्छ वायु भी सांसों के लिए अति महत्वपूर्ण है। किसान अनाज का उत्पादन करके देशवासियों को भोजन उपलब्ध करवाते हैं तथा हरियाणा के किसानों का इसमें बहुत बड़ा योगदान है। पराली जलाना केवल कानूनी रूप से ही नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी अपराध जैसा ही है। इसलिए किसानों को चाहिए कि वे कृषि यंत्रों के माध्यम से पराली का उचित प्रबंधन करें जिससे वायु के प्रदूषण को रोका जा सके। कृषि मंत्री ने प्रगतिशील किसान विकास चौधरी के फार्म पर पराली के फानों के बीच ही हैप्पी सीडर व सुपर सीडर के माध्यम से गेहूं की सीधी बिजाई का अवलोकन किया। विकास चौधरी द्वारा अपने खेत में पराली न जलाकर कृषि यंत्रों के माध्यम से उनका निष्पादन किया जाता है।

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों को पराली के प्रबंधन हेतु विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्र उचित अनुदान पर उपलब्ध करवा रही है। किसानों को इन योजनाओं का लाभ उठाते हुए अपनी खेती को आधुनिक बनाना चाहिए। हैप्पी सीडर के माध्यम से गेहूं की बिजाई करना बहुत आसान है। इसलिए किसान अधिक से अधिक संख्या में इस यंत्र के माध्यम से ही बिजाई करें। इसमें पराली के फानों में से ही बिजाई हो जाती है और ये फाने खेत में खाद का काम करते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

एक नवंबर से अम्बाला छावनी व अम्बाला शहर के मध्य प्रारंभ होगी लोकल बस सेवा : विज

चंडीगढ़/अम्बाला। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि आगामी एक नवंबर से अम्बाला छावनी और अम्बाला शहर के मध्य लोकल बस सेवा की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकल बस सेवा प्रारंभ होने से आम नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। श्री विज आगामी एक नवंबर को प्रातः 10 बजे अम्बाला छावनी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के निकट लोकल बस सेवा का उद्घाटन अपने कर कमलों से करेंगे। इस बस सेवा के प्रारंभ होने से अम्बाला छावनी व अम्बाला शहर के निवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी और उनको आने-जाने में काफी आसानी होगी। परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि बस सेवा के लिए चार मिनी बस का इस्तेमाल किया जाएगा जोकि शेड्यूल के अनुसार प्रतिदिन चलेगी। उन्होंने बताया कि बस सेवा कलरहेड़ी, डिफेंस कालोनी, तोपखाना क्षेत्र से होती हुई बोह, दलीपगढ़, बब्याल, टांगरी बांध रोड से जगाधरी रोड, महेशनगर, एसडी कालेज, सिविल अस्पताल, गोल चक्कर, कैंट बस स्टैंड, जंडली, मॉडल टाउन, इक्को चौक, प्रेम नगर व अन्य क्षेत्रों से होते हुए अम्बाला शहर बस स्टैंड तक जाएगी। इसी प्रकार वापसी में भी बस इसी रूट से अम्बाला छावनी में अपने अंतिम स्टॉप कलरहेड़ी तक आएगी। उन्होंने बताया प्रतिदिन बसे अपने शेड्यूल अनुसार छावनी व शहर के मध्य नौ चक्कर लगाएगी। परिवहन मंत्री अनिल विज ने इस संबंध में लोकल बस सेवा एक नवंबर से प्रारंभ करने को लेकर अम्बाला जीएम रोडवेज को दिशा-निर्देश भी दिए।

लिफ्ट के बहाने लूटने वाला दंपती गिरफ्तार, पूछताछ में 10 वारदात स्वीकारी

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद शहर के रतिया रोड पर लिफ्ट के बहाने दो महिलाओं को लूटने मामले में पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार किया है। पति-पत्नी योजना बनाकर कार में लूट की वारदात करते थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नहर कॉलोनी रतिया निवासी कमलप्रीत और उसकी पत्नी हैप्पी के रूप में हुई है। पूछताछ में दंपती से 10 वारदात का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक गांव अहरवां निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कर्मजीत कौर ने 28 अक्तूबर को शिकायत देकर बताया था कि वह अपने घर से गांव के ही आंगनबाड़ी केंद्र में जा रही थीं। इस दौरान उन्होंने कार चालक से लिफ्ट ली। कार में सवार एक युवक और युवती ने उसे लिफ्ट दी लेकिन केंद्र के बाहर नहीं उतारा गया। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर तेजधार हथियार से चोट पहुंचाई। इस बीच कानों की बालियां (टॉप्स) और मोबाइल फोन छीन लिए। मामले में कार्रवाई कर पुलिस ने एक दंपती को गिरफ्तार किया। सदर पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। वहां से हैप्पी को जेल भेज दिया गया जबकि आरोपी कमलप्रीत को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

पराली जलाने से रोकने में नाकाम 19 अफसरों पर केस दर्ज करने की मांगी अनुमति

चंडीगढ़। हरियाणा में पराली जलाने से किसानों को रोकने में नाकाम 19 अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की डीसीपी कुरुक्षेत्र ने मुख्य सचिव से अनुमति मांगी हैं। इसमें विकास एवं पंचायत विभाग के पांच, कृषि विभाग सात और पुलिस विभाग के सात अधिकारी शामिल हैं। पहले भी पराली जलाने के रोकने में कोताही बरतने वाले कृषि विभाग के 26 अफसरों को निलंबित किया जा चुका है। हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एचएआरएसएसी) की तरफ से इन अफसरों के क्षेत्र में कोताही की सूचना मिली थी। इसके बाद फील्ड स्टॉफ ने पुष्टि भी कर दी। इसके बाद डीसीपी की तरफ से आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। ंचायत विभाग के पांच बीडीपीओ हैं। इनमें थानेसर में तैनात अमित कुमार, लाडवा में साहब सिंह, बाबैन में रूबल दीनदयाल, पिपली में अंकित पूनिया और शाहबाद के नरेंद्र ढुल है। कृषि विभाग के अफसरों में कुरुक्षेत्र के एएई राजेश वर्मा, एपीपीओ अनिल चौहान और यूसीआई शशिपाल व एसएमएस सुनील कुमार, पेहवा के एसडीएओ मनीष वत्स, थानेसर के एसडीएओ जितेंद्र मेहता और शाहबाद के एसीडीओ बलजिंदर सिंह का नाम शामिल है। वहीं, पुलिस विभाग में सात थानों के एसएचओ हैं। इसमें पेहवा थाना प्रभारी नरेश कुमार, लाडवा के कुलदीप सिंह, पिपली के बलजीत सिंह, थानेसर के दिनेश चौहान, इस्माइलाबाद के राजेश कुमार, बाबैन के जीत राणा और शाहबाद के निर्मल सिंह का नाम शामिल है। राज्य में बुधवार को पराली जलाने के कुल 03 नए केस आए। अब तक कुल 742 मामले हो चुके है।

देश के 23 प्रदूषित शहरों में हरियाणा के 7 शहर, चरखी दादरी में 257 पहुंचा एक्यूआई

चंडीगढ़। दीपावली से पहले ही हरियाणा के कई जिले प्रदूषण की चपेट में चल रहे हैं। हालत ये कि देश के 23 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में प्रदेश के सात जिले शामिल हैं। वहीं देश में राजधानी दिल्ली की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 307 पहुंच गया है। इस सप्ताह दिल्ली का एक्यूआई दो दिन 300 से पार रहने के बाद मंगलवार को 268 आ गया था लेकिन बुधवार को दोबारा फिर 300 के पार हो गया। वहीं, हरियाणा की बात करें तो बुधवार को चरखी दादरी में एक्यूआई 257, भिवानी में 242, गुरुग्राम 213, हिसार 202, सिरसा 211, सोनीपत 221 और यमुनानगर में एक्यूआई 226 पहुंच गया है। दिल्ली की तरह प्रदेश के जिलों में प्रदूषण स्तर में लगातार बदलाव आ रहे हैं। मंगलवार को बहादुरगढ़ का एक्यूआई 222, भिवानी 234, जींद 212 और कैथल में 227 था। बुधवार को बहादुरगढ़, कैथल और जींद में प्रदूषण स्तर में सुधार हुआ है, तीनों शहर में एक्यूआई लेवल 200 से नीचे आकर यलो जोन में आ गए।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

हरियाणा सरकार

वीरता शौर्य की गाथा वाला,
सर पै पगड़ी का बाणा
देश का बढ़ाया मान सदा,
ऐसा न्यारा म्हारा हरियाणा

म्हारा हरियाणा
नॉन-स्टॉप हरियाणा

59वें
हरियाणा दिवस
पर प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

1 नवंबर, 2024

“हरियाणा के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि विकास के हर मानदंड पर यह राज्य नए-नए कीर्तिमान गढ़ता रहे।”
- नरेन्द्र मोदी

देशोऽस्ति हरयाणाख्यः पृथिव्यां स्वर्गसन्निभः*

(हरियाणा नाम का एक देश (प्रदेश) है जो इस धरती पर स्वर्ग के समान है।)

*दिल्ली के निकट सारवान गांव से मिले विक्रमी संवत् 1385 के शिलालेख से उद्धृत

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

संपादकीय

नाटो की तर्ज पर अब संभावित 'इस्लामिक नाटो' से दुनिया के तीन हिस्सों में बंटने की उम्मीद

जी हां नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानि नाटो की तर्ज पर अब 25 देशों का 'इस्लामिक नाटो' या मुस्लिम नाटो' बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसके लिए तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन हर उस मुस्लिम देश से संपर्क कर रहे हैं, जिसे लगता है कि इजराइल उनके लिए खतरा बन सकता है।उनकी इस कवायद से एसा लगने लगा है कि गर ये सब चलता रहा तो भविष्य में दुनिया तीन हिस्सों में बंट सकती है। पहला क्रिशचियन देशों के साथ अमरीका, दूसरा चीन, उत्तर कोरिया, बेलारूस आदि देशों के साथ रूस तो तीसरा मुस्लिम देशों का संभावित 'इस्लामिक नाटो का गुट। शेष हिंदू बहुल देशों को किसी एक गैर मुस्लिम गुट से हाथ मिलाना ही पड़ेगा। गौरलब है कि कुछ दिन पहले अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल के खिलाफ दुनिया के सभी मुस्लिम देशों को अपने मतभेद भुलाकर एकजुट हो जाने की अपील की थी। मुस्लिम नाटो जैसा संगठन अभी अस्तित्व में नहीं है, लेकिन इसे बनाने की गंभीर कोशिशें हो रही हैं। याद रहे नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन जो 4 अप्रैल, 1949 से अस्तित्व में है, जिस संगठन में 32 देश हैं। इसी के तर्ज पर अब नए संगठन की तैयारी चल रही है, जिसका नाम मुस्लिम या इस्लामिक नाटो हो सकता है। हो सकता है कि इस मुहिम मे अरब के दो बड़े दुश्मन ईरान और सऊदी अरब हाथ मिला लें। गर 25 मुस्लिम देशों का सैन्य गठबंधन इस्लामिक 'नाटो' का गठन हो जाता है तो इससे ग्लोबल समीकरण बदलना लाजमी होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि मौजूदा हालात में मिडिल ईस्ट जंग का अखाड़ा बना हुआ है। अरब देशों में आग लगी है। इसी को अवसर के रूप में देखते हुए तुर्की के राष्ट्रपति ने इस्लामिक नाटो बनाने की कवायद तेज की है। हैरानी की बात यह है कि इस संभावित मुस्लिम नाटो का ख्वाब देखने वाला तुर्की खुद क्रिशचियनों के नाटो का हिस्सा है। गर 'इस्लामिक नाटो', मुस्लिम नाटो या मुस्लिम मिलिट्री एलायंस ऑर्गनाइजेशन यानी ममाओ वजूद में आया तो नाटो के बाद ये दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य गठबंधन होगा। सऊदी अरब, पाकिस्तान, तुर्किए, मिस्त्र, संयुक्त अरब अमीरात यानी यू ए ई, जॉर्डन, बहरीन, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और मलेशिया जैसे 10 बड़े मुस्लिम बहुमत वाले देश नए 'मुस्लिम नाटो' के कोर मेंबर यानी मुख्य सदस्य हो सकते हैं। इनके अलावा इंडोनेशिया, ईरान, इराक, ओमान, कतर, कुवैत, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया और लीबिया इन 10 देशों को 'मुस्लिम नाटो' का प्रमुख पार्टनर देश बनाया जा सकता है।कोर मेंबर और पार्टनर देशों के अलावा 'मुस्लिम नाटो' में 5 और देशों को सदस्य बनाया जा सकता है। अजरबैजान, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ब्रुनेई 'मुस्लिम नाटो' के एसोसिएट सदस्य हो सकते हैं।तुर्की के मुताबिक इस्लामिक नाटो में 10 कोर मेंबर, 10 पार्टनर देश और 5 एसोसिएट सदस्य, यानी कुल 25 देशों की सेनाओं के बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य गठबंधन हो सकता है। ऐसा करके एर्दोआन अरब देशों में सबसे शक्तिशाली और मुस्लिम दुनिया का खलीफा बनाना चाहते हैं। 'मुस्लिम नाटो' एर्दोआन के दिमाग की उपज है। एर्दोआन ने कहा था, ह्यइजराइली अहंकार, इजराइली डाकुओं और इजराइली सरकार समर्थित आतंकवाद को रोकने वाला इकलौता जवाब इस्लामिक देशों के बीच सैन्य गठबंधन है। हमें 'मुस्लिम नाटो' बनाना होगा।

'मुस्लिम नाटो' बनाने के लिए एर्दोआन ने इसी महीने मिस्त्र और सीरिया से संपर्क किया है। हालांकि तुर्किए और मिस्त्र के बीच संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। पिछले 12 साल में ये पहला मौका था, जब कोई मिस्त्र का राष्ट्रपति तुर्की पहुंचा था। एर्दोआन ने आपसी मतभेद भुलाकर अल सिसी के साथ 'मुस्लिम नाटो' को लेकर चर्चा की। एर्दोआन लेबनान और सीरिया को इजराइल का डर दिखा रहे हैं। एर्दोआन ने यू ए ई और सऊदी अरब समेत कई मुस्लिम बहुल देशों के साथ आपसी तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए हैं। माना यही जा रहा है कि इन कोशिशों के पीछे उनकी मंशा 'मुस्लिम नाटो' जैसा सैन्य गठबंधन बनाने की है। एर्दोआन की कोशिश खुद को इस्लामी देशों का सबसे बड़ा नेता बनने की है, वो अरब देशों में ऑटोमन साम्राज्य जैसी सल्तनत वापस लाना चाहते हैं और उसके खलीफा खुद बनने की फिराक में है। 'मुस्लिम नाटो' इसी महत्वकांक्षा का नतीजा है। याद रहे मुस्लिम नाटो जैसी कोशिश एक बार पहले भी हो चुकी है। 9 साल पहले दिसंबर 2015 में आई एम सी टी सी यानी इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेरेरिज्म कोलिशन नाम की संस्था बनाई गई थी। आतंकवाद के खिलाफ एशिया और अफ्रीका के 42 मुस्लिम देशों ने इसे बनाया था। ये संस्था आज भी एक्टिव है, लेकिन ना तो पाकिस्तान से आतंकवाद मिटा और ना सीरिया को आई एस आई एस के चंगुल में फंसकर बर्बाद होने से ये संस्था बचा पाई। अब ऐसे ही उदेश्यों के साथ 25 सदस्यों वाली नई संस्था बनाने की तैयारी हो रही है। यह भी सच है कि मिडिल ईस्ट के लगभग 19 देशों में अमेरिका के मिलिट्री बेस हैं। बहरीन, कतर, मिस्त्र, सऊदी अरब, इराक, सीरिया, इजराइल, तुर्किए, जॉर्डन, यू ए ई और कुवैत में अमेरिका के बड़े सैन्य बेस हैं। सऊदी अरब के रियाद में 1951 से अमेरिका की सेना का स्थाई बेस है। इसके अलावा सऊदी में अमेरिका का अल-उदीद एयर बेस और प्रिंस सुल्तान एयरबेस भी है. इन्हीं मिलिट्री बेस से पूरे मिडिल ईस्ट और खाड़ी देशों पर अमेरिका नजर रखता है और नाटो का सदस्य होने की वजह से अमेरिका का साथ देना एर्दोआन की मजबूरी है। एर्दोआन इसी मजबूरी से निकलना चाहते हैं और नाटो जैसा एक और सैन्य मोर्चा बनाकर उसका नेतृत्व करना चाहते हैं। गर यह संगठव बन जाता है तो इससे मौजूदा महासंग्राम के समय दुनिया की तीन हिस्सों में बंट सकती है। पहले हिस्से में अमरीका के साथ खड़े नाटो देश है तो दूसरे हिस्से में रूस के साथ खड़े बेलारूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश हैं। अगर 25 देशों का मुस्लिम नाटो बना, तो ये तीसरी बड़ी ताकत होगी। इन तीनों शक्तियों के टकराव के बाद दुनिया महाविनाश होना तय है। इस्लामिक नाटो से भारत का अपने पड़ौसी मुल्कों पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ तनाव बढ़ सकता है। इसे भी गंभीरता से लेने कौ जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष: आज आप काफी तनावमुक्त महसूस करेंगे। व्यवसाय में आपको काफी बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे। प्रेम सम्बन्धों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। पुरानी गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ने का दिन है।

वृषभ: आज आपकी परिस्थितियाँ अनुकूल रहने वाली है। कार्यशैली में समय के अनुसार परिवर्तन लाना उचित होगा। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। परिजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

मिथुन: किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होगी। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। घर में सुख-शान्ति बनी रहेगी। फिर भी बच्चों की गतिविधियों पर नजर बनाये रखें। कार्यक्षेत्र में सुखद अनुभव प्राप्त होंगे। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें।

कर्क: व्यवसाय में उत्तम सफलता मिल सकती है। लेखन से जुड़े लोग कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ायेगा। सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों के साथ समय बितायेंगे। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह: अपनी योग्यता के अनुसार काम करने से लाभ प्राप्त होगा। कला, साहित्य और संगीत में आप रुचि लेंगे। लम्बी यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं तो कुछ महत्वपूर्ण वस्तुओं को साथ ले जाना न भूलें। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। पिता के साथ वैचारिक तनाव हो सकता है।

कन्या: स्वादिष्ट भोजन का आनन्द उठायेंगे। घर में रिश्तेदार आ सकते हैं। लोग आपसे मार्गदर्शन की अपेक्षा रखेंगे। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। राजनीतिक सम्पर्क का लाभ उठायेंगे। सन्तान के व्यवहार से बहुत खुश होंगे।

तुला: व्यापार में जबरदस्त लाभ मिल सकता है। आज आप अपने आप में ही व्यस्त रहेंगे। पद और अधिकार की आकांक्षा बढ़ेगी। बिना कहे लोगों की सहायता करेंगे जिससे आपका यश बढ़ेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता रहेगी। किसी अनुष्ठान में सम्मिलित हो सकते हैं।

वृश्चिक: अचानक अतिथियों के आगमन से परेशान हो सकते हैं। कारोबार में किसी विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं। सरकारी कार्यों में थोड़ी बाधा आ सकती है। विरोधी आपका मजाक उड़ा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन में अनबन होने की आशंका है।

धनु: नयी स्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में आसानी होगी। धन की स्थिति काफी मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यों की प्रशंसा हो सकती है। मन में कुछ नया और प्रयोगात्मक करने की इच्छा होगी। अचानक कोई रुका हुआ काम बन सकता है।

मकर: कारोबार में आ रही अड़चनें पूरी तरह से दूर होगी। घर का माहौल काफी शान्त रहेगा। धार्मिक स्थल पर एकान्त में समय बितायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में शानदार परिणाम मिलेंगे। दोस्तों के साथ शॉपिंग करने जा सकते हैं। अधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध मधुर होंगे।

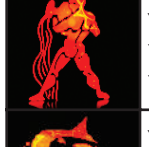

कुंभ: व्यवसाय के लिये आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। गृहस्थ जीवन में सुख और सन्तोष की अनुभूति होगी। विदेश से जॉब के प्रस्ताव आपको मिल सकते हैं। शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

मीन: व्यस्तता के बावजूद परिवार को समय देंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय बहुत ही अच्छा है। आपके स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। प्रबन्धन क्षेत्र से जुड़े लोगों को बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। अजनबियों पर ज्यादा भरोसा न करें।

दीवाली पर महालक्ष्मी पूजा में जरूर करें ये काम,नहीं होगी पूरे साल पैसों की तंगी

वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल अमावस्या तिथि 31 अक्तूबर को दोपहर 3 बजकर 12 मिनट पर शुरू हो जाएगी, जो 01 नवंबर की शाम तक रहेगी। इस तरह से दीवाली पर सभी तरह की वैदिक स्थितियां 31 अक्तूबर के दिन लागू रहेगी जबकि 01 नवंबर 2024 को अमावस्या तिथि सूर्योदय के दौरान रहेगी लेकिन समाप्ति शाम को 06 बजकर 16 मिनट पर हो जाएगी। दीवाली के दिन लक्ष्मी पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसे में लक्ष्मी पूजा के दौरान अगर कुछ बातों का ध्यान रखा जाए, तो लक्ष्मी माता बहुत प्रसन्न होती हैं और घर में माता का आगमन होता है। धन वर्षा के योग बनते हैं।

लक्ष्मी पूजा का महत्व

दीवाली पर लक्ष्मी पूजा का बहुत महत्व है। देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए लोग तरह-तरह की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में अगर दीवाली के दिन कुछ बातों का विशेष ध्यान रखा जाए और कुछ उपाय किए जाएं तो मां लक्ष्मी बहुत प्रसन्न होती हैं। इस घर में उनके आने से साल भर आर्थिक लाभ होने की संभावना रहती है। ऐसे व्यक्ति के घर में उन्नति होती है। खुशनुमा माहौल बना रहता है।

दीवाली के दिन जरूर करें यह काम

- अपने मुख्य द्वार के बाहर तिल के तेल का दीपक जलाएं।
- मां लक्ष्मी को लाल कमल का फूल चढ़ाएं और उनकी पूजा करें।
- श्री सूक्त एवं कनकधारा स्तोत्र का पाठ अवश्य करें। इससे देवी लक्ष्मी की विशेष कृपा होती है।
- माता लक्ष्मी की पूजा करते समय माता रानी को नारियल, खीर और सिंघाड़े का भोग लगाएं।
- दीवाली की रात 5 सुपारी, 5 हल्दी की गांठें, 5 गोमती चक्र और 5 कौड़ियां बनाकर लाल कपड़े में बांध लें और पूजा के बाद मां लक्ष्मी और भगवान गणेश के पूजा स्थल पर रख दें और फिर अपने भंडार गृह में रख लें। इससे तरक्की होती है साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा मिलेगी।
- दीवाली के दिन गोधूलि बेला के पहले बेसन के लड्डू का चूर्ण काली चीटियों को जरूर खिलाएं, इससे माता बहुत जल्दी प्रसन्न होती हैं।
- इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दीवाली की पूजा करते समय घर के सभी सदस्य एक साथ मिलकर मां लक्ष्मी की आरती गाएं।

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त

पंचांग के अनुसार हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की प्रदोष व्यापिनी अमावस्या तिथि पर दीवाली का त्योहार मनाया जाता है। 31 अक्तूबर को लक्ष्मी-गणेश पूजन के लिए पहला शुभ मुहूर्त प्रदोष काल में ही प्राप्त हो रहा है।

31 अक्तूबर को प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट लेकर 08 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। वहीं वृषभ लग्न (दिल्ली के समयानुसार) शाम 06 बजकर 25 मिनट से लेकर रात को 08 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। ऐसे में गृहस्थ लोग इस समय के दौरान लक्ष्मी पूजन करें।

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त (निशीथकाल)

तंत्र-मंत्र साधना और तांत्रिक क्रियाओं के लिए निशीथ काल में पूजा करना ज्यादा लाभकारी माना जाता है। 31 अक्तूबर को निशीथ काल में पूजा करने लिए शुभ मुहूर्त रात 11 बजकर 39 मिनट से लेकर 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगा।

दीवाली पर कौन से उपहार न दें और न ही लें, शास्त्रों में माना गया है अशुभ

दीवाली का पर्व न केवल रोशनी, बल्कि खुशियों और आपसी प्रेम को बढ़ावा देने का अवसर भी होता है। इस दिन परंपरागत रूप से लोग एक-दूसरे को उपहार देते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। हिंदू शास्त्रों में कुछ ऐसे उपहारों का जिक्र किया गया है जो अशुभ माने गए हैं और जिन्हें देना या लेना वर्जित माना गया है। इन उपहारों को देने से न केवल नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, बल्कि घर में दुर्भाग्य और कष्ट आने की संभावना भी रहती है।

नुकीली वस्तुएं जैसे चाकू, कैंची या कोई अन्य धातु की वस्तु

धारदार या नुकीली वस्तुएं जैसे चाकू, कैंची, ब्लेड आदि को उपहार में देना या लेना अशुभ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, इन वस्तुओं में नकारात्मक ऊर्जा होती है जो रिश्तों में तनाव उत्पन्न कर सकती है, इसलिए दीवाली पर ऐसी वस्तुओं का आदान-प्रदान नहीं करना चाहिए।

काले रंग की वस्तुएं

काला रंग नकारात्मकता और अशुभता का प्रतीक माना जाता है। दीवाली का पर्व सकारात्मक ऊर्जा और रोशनी का है, ऐसे में काले रंग की वस्तुएं उपहार में देना या लेना वर्जित माना गया है। इसके बजाय, लाल, पीला या सुनहरा रंग समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं, और इन्हें उपहार के रूप में देना शुभ होता है।

ताले और बंधन से जुड़ी वस्तुएं

दीवाली पर ताले या कोई भी बंद वस्त्र जैसे रुमाल या कपड़ा देना अशुभ माना जाता है। ताला घर की समृद्धि और सौभाग्य को अवरुद्ध करता है। ऐसे उपहारों को देने से रिश्तों में कड़वाहट आने की संभावना होती है और घर में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

नकली फूल या सजावटी पौधे

दीवाली पर नकली फूलों या पौधों का उपहार देना अशुभ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, नकली पौधों में नकारात्मक ऊर्जा होती है और ये घर में समृद्धि को रोकते हैं। इसके बजाय, हरे-भरे, प्राकृतिक पौधों को उपहार के रूप में देना शुभ होता है, जो जीवन और समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं।

खाली बर्तन

खाली बर्तन जैसे लोटा, कलश या कोई अन्य पात्र उपहार में देने से बचना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, खाली बर्तन देने से घर में दरिद्रता का वास होता है। अगर आप बर्तन उपहार में दे रहे हैं तो उसमें कुछ मिठाई या अनाज भरकर दें, जिससे समृद्धि का प्रतीक बना रहे।

चमड़े से बनी वस्तुएं

चमड़े से बनी वस्तुएं जैसे जूते, बेल्ट, या बैग आदि को दीवाली पर उपहार के रूप में देना अशुभ माना गया है। चमड़ा मांस से प्राप्त होता है और इस प्रकार की वस्तुएं नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती हैं। यह उपहार घर में शांति और सौभाग्य में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं।

परिशुद्धता बनाए रखने वाले प्रतीक

दीवाली पर सफाई करने वाले सामान जैसे झाड़ू या सफाई करने के उपकरण उपहार में नहीं देना चाहिए। यह प्रतीक रूप में घर की समृद्धि और सुख को हटाने का संकेत देता है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर से बरकत का अंत हो सकता है।

दीवाली पर इन उपायों को करते ही बढ़ने लगती है आमदनी, इस बार जरूर अपनाएं

दीवाली, धन और सुख-समृद्धि का पर्व है, जिसे भारत में विशेष उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से घर में संपन्नता और सुख का वास होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष उपाय अपनाकर दीवाली पर धन वृद्धि और आर्थिक समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। आइए जानते हैं इस पर्व पर किए जाने वाले कुछ प्रभावशाली उपायों के बारे में।

लक्ष्मी-गणेश की पूजा

दीवाली के दिन लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करना अनिवार्य माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी धरती पर आती हैं और जो व्यक्ति विधिपूर्वक उनकी पूजा करता है, उसे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति को दीवाली के दिन स्थापित करें और लक्ष्मी सूक्त तथा गणेश मंत्र का जाप करें। पूजा में कमल के फूल, बताशे, हल्दी, कुमकुम आदि का प्रयोग करें।

घर के मुख्य द्वार की सजावट

दीवाली पर मुख्य द्वार की सजावट का विशेष महत्व है, क्योंकि इसे मां लक्ष्मी के स्वागत का प्रतीक माना गया है। मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं, आम के पत्तों और फूलों की बंदनवार लगाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर घर में निवास करती हैं।

काले तिल का उपाय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दीवाली के दिन काले तिल का उपाय करने से आर्थिक कष्ट दूर होते हैं। इस दिन सुबह स्नान के पानी में काले तिल डालकर स्नान करें और भगवान विष्णु और माँ लक्ष्मी से प्रार्थना करें। इसके अलावा शाम के समय तिल के तेल का दीपक जलाकर घर के बाहर रखें। माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में धन का प्रवाह बढ़ता है।

कुबेर यंत्र की स्थापना

दीवाली पर कुबेर यंत्र की स्थापना से भी धन में वृद्धि होती है। इस यंत्र को घर के उत्तर दिशा में रखें, क्योंकि इसे धन की दिशा माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस यंत्र से घर में आर्थिक स्थिरता आती है और लक्ष्मी का वास होता है। यंत्र के साथ मंत्र जाप करें - 'ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।'

धान्य लक्ष्मी पूजन

धार्मिक मान्यता है कि धान्य लक्ष्मी पूजन से आर्थिक समृद्धि प्राप्त होती है। दीवाली के दिन घर में धान, गेहूं, चावल आदि के ढेर बनाएं और उसमें हल्दी और कुमकुम लगाकर मां लक्ष्मी की आराधना करें। ऐसा करने से घर में कभी अन्न-धन की कमी नहीं होती है।

मिट्टी के दीपक जलाना

पौराणिक मान्यता है कि दीवाली की रात मिट्टी के दीपक जलाकर घर के कोनों में रखने से घर में धन और समृद्धि का वास होता है। घर में जितने अधिक दीपक जलेंगे, उतना ही सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ेगा और लक्ष्मी जी का घर में प्रवेश आसान होगा।

दीवाली पर इन चीजों से मां लक्ष्मी की पूजा करने से नहीं होती है धन और सुख की कमी

मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लक्ष्मी जी की पूजा सही विधि और विशिष्ट सामग्रियों के साथ करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और धन की कमी नहीं होती। पूजा में कुछ विशेष सामग्रियों का उपयोग करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। आइए जानते हैं।

कमल का फूल

कमल का फूल मां लक्ष्मी का प्रिय माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां लक्ष्मी का निवास कमल पर होता है। लक्ष्मी पूजा में कमल का फूल अर्पित करने से देवी प्रसन्न होती हैं और भक्त को धन-वैभव की प्राप्ति होती है।

श्रीयंत्र

दीवाली के दिन लक्ष्मी पूजा में श्रीयंत्र का विशेष महत्त्व है। श्रीयंत्र को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में स्थापित कर नियमित रूप से पूजन करने से धन की वृद्धि होती है और घर में स्थायी समृद्धि का वास होता है। श्रीयंत्र और कुबेर यंत्र से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

घी का दीपक

लक्ष्मी पूजा में घी का दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि घी का दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती। दीपक को पूर्व और उत्तर दिशा की ओर जलाना सबसे शुभ माना जाता है।

चांदी के सिक्के

चांदी के सिक्कों को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पूजा में चांदी के सिक्के अर्पित करने से देवी प्रसन्न होती हैं और साधक को आर्थिक लाभ मिलता है। खासकर लक्ष्मी जी के चित्र वाले चांदी के सिक्कों का उपयोग विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

सिंदूर और हल्दी

लक्ष्मी पूजा में सिंदूर और हल्दी का विशेष महत्त्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि हल्दी और सिंदूर अर्पित करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ये सामग्री शुभता और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती हैं।

शंख

शंख को मां लक्ष्मी का भाई माना जाता है, क्योंकि यह समुद्र मंथन के समय उत्पन्न हुआ था। शंख से पूजा स्थल पर जल छिड़कने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मकता का संचार होता है।

गोमती चक्र

दीवाली की पूजा में गोमती चक्र का उपयोग करने से घर में धन और संपत्ति की वृद्धि होती है। गोमती चक्र को तिजोरी या पूजास्थल पर रखने से आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

कौड़ी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कौड़ी समुद्र मंथन के समय उत्पन्न हुई थी और इसे मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसे पूजा के दौरान मां लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करने से घर में धन की कमी नहीं होती और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

वर्ष 2024 के दौरान 153 बड़े तस्करों सहित 10 हजार नशा तस्कर दबोचे

पंजाब पुलिस ने राज्य में नशों की समस्या का मुकाबला करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनायाः डीजीपी यादव

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

राज्य में नशों का सफाया करने के लिए जारी मुहिम के दौरान पंजाब पुलिस ने पिछले 10 महीनों में 7686 एफआईआर दर्ज कर 153 बड़े तस्करों सहित 10524 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब, गौरव यादव ने दी। गौरतलब है कि पंजाब पुलिस ने नशों की समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए, बड़े तस्करों पर शिकंजा कसने के साथ-साथ गाँवों और मोहल्लों में छोटे स्तर पर नशा बेचने वालों पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने 2024 में अब तक की नशों की बरामदगी का विवरण देते हुए बताया कि पुलिस टीमों ने नशों के संभावित रूटों पर नाकाबंदी और प्रभावित इलाकों में सर्च ऑपरेशंस चला कर राज्य भर में 790 किलो हेरोइन बरामद की है। हेरोइन के अलावा, पुलिस टीमों ने 860 किलो अफीम, 367 क्विंटल भुक्की, 93 किलो चरस, 724 किलो गांजा, 19 किलो आईसीई और 2.90 करोड़ गोलियां/कैप्सूल /टीके/ शीशियां भी बरामद की हैं।उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस साल गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 13.62 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी जब्त की है।

डीजीपी ने बताया कि पंजाब पुलिस ने 1 जनवरी 2024 से अब तक 362 बड़े तस्करों की 208 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं, जबकि 289 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने के संबंध में 470 मामले मंजूरी के लिए सक्षम ऑथोरिटी के पास लंबित हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में, गुरदासपुर जिले के सीमा गांव शहूर कलां के अवतार सिंह उर्फ तारी नामक शीर्ष नशा तस्कर की निवारक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) के आदेश लागू कर नशों के खिलाफ जारी जंग में बड़ी सफलता हासिल की है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी तारी को प्रिवेंशन ऑफ इलिसिट ट्रैफिक इन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस (पीआईटी-एनडीपीएस) एक्ट के तहत दो साल के लिए हिरासत में लेकर केंद्रीय जेल बठिंडा भेज दिया गया है। जिक्र योग्य है कि यह पहला मामला है जिसमें पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट की धारा 3(1) और धारा 10 के तहत सक्षम प्राधिकरण द्वारा आदेश जारी किए गए थे। गौरतलब है कि एनडीपीएस मामलों में फरार अपराधियों (पीओज)/भगोड़ों को गिरफ्तार करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने इस साल 731 पीओज/भगोड़ों को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के 6.50 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों को दीवाली का तोहफा

महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत वृद्धि का किया ऐलान

मान ने कहा कि इस फैसले से 6.50 लाख से अधिक कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवारों को लाभ होगा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य सरकार के 6.50 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के परिवारों को दीवाली का तोहफा देते हुए महंगाई भत्ते (डी.ए.) में 4 प्रतिशत वृद्धि का ऐलान किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहाँ मुख्य मंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य मंत्री ने 1 नवंबर 2024 से कर्मचारियों और पेंशनरों को 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डी.ए.) देने की मंजूरी दे दी है, जिससे महंगाई भत्ता अब 38 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस फैसले से 6.50 लाख से अधिक कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके परिवारों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य प्रशासन का अहम हिस्सा हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है और कर्मचारियों की भलाई के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिवाली और बंदी छोड़ दिवस की लोगों को दी बधाई

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रोशनी के त्योहार दीपावली और बंदी छोड़ दिवस की दुनिया भर में बसे सभी पंजाबियों को हार्दिक बधाई दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों से प्रेम और खुशहाली का त्योहार दिवाली को हम पूरी श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिवाली की जगमगाहट न केवल हर घर को रोशन करती है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक भी है। भगवंत सिंह मान ने आशा व्यक्त की कि दिवाली एक बार फिर लोगों के लिए शांति और खुशहाली लेकर आएगी और साथ ही भाईचारे, अमन और सांप्रदायिक सद्भावना के बंधनों को और मजबूत करेगी। इसी तरह, मुख्यमंत्री ने छठे गुरु श्री हरगोबिंद साहिब जी द्वारा 1612 में दिवाली के त्योहार पर ग्वालियर के किले से 52 हिंदू राजाओं की रिहाई के ऐतिहासिक अवसर ह्यबंदी छोड़ दिवसह्ल पर पूरे देशवासियों खासकर सिख पंथ को बधाई दी। उन्होंने लोगों से दिवाली और बंदी छोड़ दिवस को जाति, रंग, नस्ल और धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर पारंपरिक धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाने की अपील की, जिससे आपसी साझेदारी और सांप्रदायिक सद्भावना के बंधन और मजबूत हों। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि दिवाली और बंदी छोड़ दिवस हमारे लोगों के लिए शांति और खुशहाली लेकर आए।

डी.ए.पी. या अन्य खादों के साथ गैर-जरूरी रसायनों की टैगिंग के खिलाफ हेल्पलाइन नंबर जारी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने डाई-एमोनियम फॉस्फेट (डी.ए.पी.) या अन्य खादों के साथ गैर-जरूरी रसायनों की अवैध टैगिंग में शामिल किसी भी कीटनाशक डीलर (कीटनाशक दवाओं के डीलर) के खिलाफ रिपोर्ट के लिए किसानों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। किसान इन नंबरों पर डी.ए.पी. खाद की असली कीमत से अधिक दर वसूलने, गैर-कानूनी जमा खोरी या कालाबाजारी जैसे मुद्दों की रिपोर्ट भी कर सकते हैं।इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुडियां ने बताया कि भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल कीटनाशक डीलरों के खिलाफ राज्य के किसान हेल्पलाइन नंबर 1100 पर कॉल करके या संपर्क नंबर +91-98555-01076 पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। किसानों की भलाई के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि गैर-जरूरी रसायनों को खादों के साथ टैग करके जबरन बेचना या खाद को अधिक कीमत पर बेचना या खाद की कालाबाजारी करना कानूनी जुर्म है और ऐसी गलत कार्रवाइयों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर, 1985 और आवश्यक वस्तुएं अधिनियम, 1955 की धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

किसान 1100 पर कॉल करके या व्हाट्सएप नंबर +91-98555-01076 पर संदेश भेजकर भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल डीलरों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा सकते हैं: कृषि मंत्री

इस दौरान उन्होंने किसानों को पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी (पी.ए.यू.) के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार फास्फोरस के विकल्प स्रोतों के रूप में एन.पी.के. (12:32:16), ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टी.एस.पी.) और सिंगल सुपर फॉस्फेट (एस.एस.पी.) का उपयोग करने की अपील भी की।

विजिलेंस ब्यूरो ने पुलिस सब-इंस्पेक्टर को 15,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़। राज्य में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने फतेहगढ़ साहिब जिले के थाना सरहिंद के अधीन आती नबीपुर पुलिस चौकी के इंचार्ज, पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एस.आई.) मनदीप सिंह को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विजिलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त पुलिस कर्मचारी को लुधियाना निवासी विनीत कुमार की दर्ज शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर आरोप लगाया कि सब-इंस्पेक्टर उसके दो निजी एंबुलेंस को छोड़ने के बदले 25,000 रुपये की मांग कर रहा था, जो एक ट्रक के साथ सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थीं, लेकिन सौदा 20,000 रुपये में तय हो गया। इस सड़क दुर्घटना से संबंधित मामला थाना सदर में दर्ज है। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपी ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 5,000 रुपये पहले ही ले लिए थे। प्रवक्ता ने आगे बताया कि इस शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद, आर्थिक अपराध शाखा (ई.ओ.डब्ल्यू.) की एक विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान इस पुलिस अधिकारी को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से दूसरी किस्त के रूप में 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया गया। इस संबंध में गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना ई.ओ.डब्ल्यू., लुधियाना रेंज में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दीवाली की पूर्व संध्या पर स्पीकर संधवां ने पत्नी सहित राज्यपाल कटारिया के साथ की मुलाकात

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर संधवां ने दीवाली के पवित्र त्योहार के अवसर पर शिष्टाचार के नाते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। गवर्नर हाउस में कटारिया और अनीता कटारिया ने स्पीकर संधवां और गुरप्रीत कौर का गर्मजोशी से स्वागत किया।

औपचारिक बातचीत के दौरान स्पीकर संधवां ने बताया कि भले ही दीवाली का शुभ दिन सभी धर्मों के लोग मिलकर मनाते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से लोगों में प्रदूषण रहित दीवाली मनाने के संबंध में जागरूकता बढ़ी है। इस कारण, लोगों ने आतिशबाजी और पटाखों के बजाय पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का रुझान अपनाया है, जिससे प्रदूषण रहित ग्रीन दीवालीह मनाने की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है। स्पीकर संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से भी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य सरकारी संस्थानों के मुखियों के माध्यम से विद्यार्थियों और कर्मचारियों को प्रदूषण रहित दीवाली मनाने की अपील की गई है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने स्पीकर संधवां की सोच की सराहना करते हुए कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए एनजीटी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सख्ती की जा रही है। दोनों परिवारों के बीच इस अवसर पर औपचारिक बातचीत हुई और अन्य अनौपचारिक तौर पर चचाएं भी हुई।

पिछले दो महीनों में ई-नीलामी के माध्यम से कुल 5000 करोड़ रुपये अर्जित किए

विकास प्राधिकरणों ने संपत्तियों की ई-नीलामी से कमाए 2060 करोड़ रुपये: हरदीप सिंह मुंडिया

ई-नीलामी की सफलता ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की निवेश-पक्षीय नीतियों पर लगाई मुहर

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

आवास निर्माण और शहरी विकास विभाग के अधीन कार्यरत विकास प्राधिकरणों ने विभिन्न संपत्तियों की ई-नीलामी से 2060 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। नीलाम की गई संपत्तियों में विकास प्राधिकरणों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली ग्रुप हाउसिंग, पेट्रोल पंप, होटल साइटें, एस.सी.ओ, बूथ, औद्योगिक और आवासीय प्लॉट शामिल हैं।

आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया ने कहा कि इस ई-नीलामी की सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व वाली सरकार की पारदर्शिता और निवेश-पक्षीय नीति को जाता है। उन्होंने बताया कि दो महीने पहले ई-नीलामी के माध्यम से 3000 करोड़ रुपये अर्जित किए गए थे और आज की राशि जोड़कर पिछले दो महीनों में ई-नीलामी के माध्यम से कुल 5000 रुपये अर्जित किए गए हैं, जिससे यह साबित होता है कि सरकार की शहरी विकास नीतियों की वजह से लोगों का रियल एस्टेट क्षेत्र में विश्वास बढ़ रहा है।

स.मुंडिया ने कहा कि 18 अक्तूबर को शुरू हुई ई-नीलामी कल देर शाम समाप्त हुई। उन्होंने कहा कि एक महीने में आयोजित हुई इस ई-नीलामी को मिले सकारात्मक समर्थन से यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में निवेशकों को लाने का प्रयास सफल हुआ है। उन्होंने खुलासा किया कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही और जो लोग मकान चाहते थे या व्यावसायिक केंद्र चलाना चाहते थे, उनकी इच्छाएं पूरी हुई हैं।

आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री ने सफल बोलीकताओं को बधाई देते हुए कहा कि नीलाम की गई साइटों का कब्जा ऑक्शन में तय समय अनुसार बोलीकताओं को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि ई-नीलामी के परिणामों से पता चलता है कि बोलीकताओं ने राज्य भर में उपलब्ध संपत्तियों में दिलचस्पी दिखाई, क्योंकि नीलाम की गई साइटें मोहाली, अमृतसर, पटियाला, लुधियाना, बठिंडा और संगरूर में स्थित हैं।

स.मुंडिया ने ई-नीलामी का विवरण देते हुए बताया कि मोहाली के सेक्टर 83-ए, आई.टी. सिटी में स्थित पेट्रोल पंप की साइट के लिए 31.16 करोड़ रुपये की बोली प्राप्त हुई। सेक्टर 78 की ग्रुप हाउसिंग साइट के लिए 163.87 करोड़ रुपये की बोली लगी और सेक्टर 78 की होटल साइट 33.47 करोड़ रुपये में नीलाम हुई। इसके अलावा, सेक्टर 68 की 4 कमर्शियल साइटें, आई.टी. सिटी, सेक्टर 101-ए के 5 औद्योगिक प्लॉट और मोहाली के विभिन्न सेक्टरों में स्थित 334 आवासीय प्लॉट, एस.सी.ओ और बूथों के लिए भी बोली प्राप्त हुई।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री ने सरदार पटेल को किया नमन

हरियाणा सिविल सचिवालय में अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर सरदार पटेल को याद करते हुए उन्हें शत-शत नमन किया और उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सिविल सेवकों का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय एकता दिवस पर यह संकल्प लें कि हरियाणा के लोगों की जो भी अपेक्षाएं हैं, उन पर हम खरा उतरेंगे व उनकी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हरियाणा को मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित शपथ समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल उच्च कोटि के राजनेता और प्रशासनिक व्यक्ति थे। उनके जीवन से हमें जानने को मिलता है कि उनका जीवन सदैव देश के हित और देश के लोगों समस्याओं के समाधान करने के लिए समर्पित रहा, ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में साँस ले सकें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं आजादी के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य भी किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश आजाद हुआ, तो उस समय देश कई छोटी-बड़ी रियासतों में बंटा था। उस समय सरदार पटेल ने अपनी सूझबूझ से 562 रियासतों का एकीकरण कर एकता के सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया।

उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो एक ओर आजादी का जश्न मनाया जा रहा था तो दूसरी ओर लाखों लोगों का बलिदान हो रहा था। कई क्रांतिवीरों में इस देश की आजादी के लिए स्वयं को कुर्बान किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने यहां बहुत अत्याचार किया और लोगों का शोषण करने का काम किया। उन्होंने कानून भी अपनी सुविधा अनुसार बनाये। यदि कोई अंग्रेजों के विरुद्ध आवाज उठाता था, तो उसे यातनाएं दी जाती थी। परंतु आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा अंग्रेजों के बनाए हुए कानून को खत्म करके भारत संहिता अनुसार कानून बनाने का काम किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 और 35- ए के कारण वहां के लोग पीड़ित थे, क्योंकि वहां विकास नहीं हो पा रहा था। इतना ही नहीं, देश भी ये दंश झेल रहा था। लंबे वर्षों तक जम्मू एवं कश्मीर देश का अंग नहीं बन पाया। यह बड़ी विडंबना थी कि भारत में 2 संविधान, 2 निशान और 2 प्रधान थे। ये कैसी स्वतंत्रता थी। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के रूप में भारत को ऐसा प्रधानमंत्री मिला, जिन्होंने धारा झ 370 और 35-ए को समाप्त कर जम्मू एवं कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाकर पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोया। ये प्रधानमंत्री की सरदार वल्लभभाई पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि थी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल द्वारा देश की एकता व अखंडता के लिए दिए गए अतुलनीय योगदान को यदि किसी ने याद किया है तो वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने गुजरात में सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थापित करने का काम किया, जो भावी पीढ़ियों के लिए एकता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की है। साथ ही, हर वर्ष सरदार पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन करके उन्हें याद करने का काम किया है। इसका उद्देश्य है कि सभी नागरिक एक साथ आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि इस बार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर उनका जयंती वर्ष देशभर में मनाया जाएगा। अगले पूरे एक साल उनकी याद में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय एकता के प्रति चेतना पैदा करना और युवा पीढ़ी को सरदार वल्लभभाई पटेल की विचारधारा से जोड़ना है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज इस अवसर पर सिविल सेवकों के रूप में हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी हरियाणावासियों की हर अपेक्षा और आकांक्षाओं को पूरा करने का काम करेंगे और मजबूती से हरियाणा को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि वर्ष 2047 तक भारत देश विकसित राष्ट्र बने। इस संकल्प में हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता सामूहिक रूप से अपना योगदान अदा करेगा और विकसित भारत बनाने में हरियाणा का महान योगदान होगा। समारोह में मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई- मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करुंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ टीवीएसएन प्रसाद सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं/लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज दर पर दी जा रही सब्सिडी

सिटी दर्पण
करनाल

हरियाणा महिला विकास निगम में जिला प्रबंधक जगजीत सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से महिलाओं/लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज दर पर सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि परिवार के पास सीमित साधनों के कारण अक्सर महिलाओं/लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करनें से रोक दिया जाता है। अत्यधिक फीस व बैंकों के शिक्षा ऋण पर ब्याज दर के भार को कम करने के लिए 1 अप्रैल 2007 से बैंकों के माध्यम से महिलाओं / लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज दर पर सब्सिडी देने की पहल की गई है। जगजीत सिंह ने स्कीम की जानकारी देते हुए बताया कि निगम से सब्सिडी प्राप्त करने के लिये आय, जाति का कोई मापदंड नहीं है। यहां तक की सरकारी कर्मचारियों की लड़कियों

को भी शिक्षा ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज की सब्सिडी दी जाती है। ऋण/सब्सिडी सुविधा देश और विदेश में उच्च शिक्षा व्यावसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, डॉक्टरल, पोस्ट डॉक्टरल लेवल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान 51 महिलाओं / लड़कियों को 38 लाख 48 हजार 43 रुपये की सब्सिडी दी गई थी। इच्छुक महिलाएं/लड़कियां अधिक जानकारी हेतु निगम के जिला कार्यालय हरियाणा महिला विकास निगम, कोठी नंबर 248, दयानंद कॉलोनी, मॉडल टाउन, नजदीक सन्तोषी माता मंदिर, दूरभाष-9996930100 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बंडारू दत्तात्रेय ने एचसीएस अधिकारी विश्वजीत सिंह को किया सम्मानित

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को आयरनमैन ट्रायथलॉन गोवा-2024 में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज और हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) अधिकारी विश्वजीत सिंह को सम्मानित किया। अपनी दृढ़ता और उत्कृष्टता के लिए जाने जाने वाले सिंह ने इस वैश्विक आयोजन में फिनिशर का खिताब जीता, जिससे वे यह चुनौतीपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले हरियाणा के पहले एचसीएस अधिकारी बन गए।

विश्वजीत की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए और फिट इंडिया अभियान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने कहा कि देश भर में लोक सेवकों के लिए खेलों में नए मानक स्थापित करने के लिए सिंह का समर्पण सराहनीय है।

दत्तात्रेय ने कहा कि मैं कामना करता हूं कि राज्य सरकार के और भी कई अधिकारी विभिन्न खेलों में हिस्सा लें और उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। उन्हें दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए, खासकर युवाओं को, ताकि वे खेलों को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बना सकें। इससे उन्हें फिट और स्वस्थ रहने में मदद मिलेगी।

यह उल्लेखनीय है कि आयरनमैन ट्रायथलॉन गोवा-2024 को भारत की सबसे कठिन प्रतियोगिता में से एक है, जिसे शारीरिक और मानसिक शक्ति दोनों की अंतिम परीक्षा के रूप में डिजाइन किया गया है। इस आयोजन में 1.9 किलोमीटर की तैराकी, 90 किलोमीटर की साइकिलिंग रेस और 21.1 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। इस उपलब्धि के साथ, विश्वजीत एथलीटों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस कठिन ट्रायथलॉन को सफलतापूर्वक पूरा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की फिट इंडिया पहल से प्रेरित होकर, विश्वजीत सिंह ने इस पहल का सटीक उदाहरण पेश किया है। राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने न केवल आयरनमैन गोवा में उनकी उपलब्धि के लिए बल्कि हरियाणा के युवाओं और जनता के बीच फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए भी सराहना की। अपनी हालिया ट्रायथलॉन सफलता के अलावा, सिंह के पास एक प्रभावशाली एथलेटिक रिकॉर्ड भी है। वे शूटिंग खेलों में एक अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता और हैंडबॉल में राष्ट्रीय पदक विजेता हैं। वर्तमान में हरियाणा में खादी और ग्रामोद्योग के सचिव के रूप में तैनात, विश्वजीत सिंह की उपलब्धियां युवाओं को शारीरिक फिटनेस और प्रतिस्पर्धी खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

हरियाणा में एमएसपी पर खरीफ फसलों की खरीद सुगमता से जारी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा में खरीफ फसलों की सरकारी खरीद भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुगमता से की जा रही है। फसल खरीद के लिए किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। अब तक मंडियों में 47.44 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है, जिसमें से 45,76,822 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। वहीं, अब तक विभिन्न मंडियों में 4,42,759 मीट्रिक टन बाजरा की आवक हो चुकी है, जिसमें से 4,33,021 मीट्रिक टन बाजरा एमएसपी पर खरीदा जा चुका है। धान व बाजरा किसानों को 9810 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। इनमें धान के लिए 8880 करोड़ रुपये तथा बाजरा के लिए 930 करोड़ रुपये की राशि शामिल है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की समस्य नहीं आ रही है। मंडियों से धान का निरंतर उठान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। किसानों को फसल बेचने में मंडियों में प्रवेश के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए विभाग ने ऑनलाइन गेट पास की सुविधा भी उपलब्ध करवाई है। उन्होंने बताया कि सरकार सामान्य धान के लिए 2,300 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान के लिए 2,320 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। सभी वरिष्ठ अधिकारी पूरी खरीद प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि अब तक कुरुक्षेत्र में सर्वाधिक 966195 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। वहीं, करनाल में 809770 मीट्रिक टन, कैथल में 790245 मीट्रिक टन, अंबाला में 513324 मीट्रिक टन, यमुनानगर में 512587 मीट्रिक टन, फतेहाबाद में 489196 मीट्रिक टन, जींद में 172051 मीट्रिक टन, सिरसा में 145232 मीट्रिक टन तथा पंचकूला में 76889 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है।

प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ जिले की विभिन्न मंडियों में 1,08,494 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद हो चुकी है। इसी प्रकार, रेवाड़ी जिले में 95,449 मीट्रिक टन, भिवानी में 69175 मीट्रिक टन, चरखी दादरी में 35946 मीट्रिक टन तथा गुरुग्राम में 35923 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की जा चुकी है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा और पूरे देश के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। श्री दत्तात्रेय ने इस त्यौहार को प्रकाश, आनंद और सद्भाव का उत्सव बताते हुए सभी समुदायों में प्रेम, करुणा और एकता फैलाने के लिए दीपावली के महत्व पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने कहा कि दिवाली अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आइए हम शांति, भाईचारे और एकजुटता के मूल्यों को अपनाकर इस खुशी के अवसर को मनाएं। दिवाली

का प्रकाश हमें समृद्ध और समावेशी भविष्य की ओर ले जाए और हमें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करे।

राज्यपाल ने नागरिकों से पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ जिम्मेदारी से त्योहार मनाने और वंचितों की देखभाल के महत्व को याद रखने का आग्रह किया, जिससे दिवाली की भावना समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। राज्यपाल दत्तात्रेय ने राज्य भर के किसानों, कारीगरों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को भी अपनी विशेष शुभकामनाएं दी और हरियाणा के विकास और कल्याण में उनके समर्पण और अमूल्य योगदान को स्वीकार किया। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि यह दिवाली हर घर में खुशियाँ, स्वास्थ्य और समृद्धि लाए और हम सभी को एक मजबूत, अधिक सामंजस्यपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने के लिए प्रेरित करे।

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय दीपावली के पावन अवसर पर राजभवन में अधिकारियों व कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रदान करते हुए।

संक्षिप्त-समाचार

पराली प्रबंधन कर बनाए भूमि को उपजाऊ: कृषि मंत्री

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए हमे मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। माननीय सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले को लेकर बहुत गंभीर है , इसलिए किसान भाई भी इस मामले की गंभीरता को समझें व पराली को खेत में ही मिलाएं। कृषि मंत्री ने पराली का खेतों में कैसे प्रबंधन किया जाए इसके लिए स्वयं सुपर सीडर से एक एकड़ खेत में गेहूं की बिजाई की तथा किसानों से भी इसी प्रकार पराली प्रबंधन का आह्वान किया। कृषि मंत्री बुधवार को कृषि विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र एवं करनाल के गांवों में पराली प्रबंधन पर प्रदर्शन प्लांट कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित कर रहे थे। कृषि मंत्री ने कहा कि पराली को खेतों में ही मिलाने से जहां खेत उपजाऊ होगा, वहीं भूमि की उपज-शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि डाकर वाले खेतों में जितनी पराली को मिलाया जाएगा उतना ही भूमि में पानी को सोखने की क्षमता बढ़ेगी। जितना खेतों में पराली के फाने दबाएं जाएंगे उतना ही खेतों की शक्ति व उपजाऊ शक्ति बढ़ जाएगी। खेतों में उर्वरको की खपत भी घट जाएगी व किसान खुशहाल होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि खेतों में खड़े फानों में पानी देने के बाद गेहूं की बिजाई करने पर लगभग 25 दिन के बाद पराली खेतों में बैठ जाती है तथा गेहूं उपर आ जा जाती है। इसलिए किसान इस विधि को अपना कर खेतों को उपजाऊ बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राइवेट सैलरों के साथ-साथ सरकारी सैलर लगाने बारे भी विचार किया जा रहा है। सरकार प्राइवेट सैलरों को आने वाली कठिनाइयों से भी परिचित है तथा उनके लिए भी कार्य योजना तैयार कर रही है।

दिवाली पर देश को तोहफा... विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में मानसी ने जीता कांस्य पदक

रोहतक। अल्बानिया के तिराना में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में रोहतक छोटू राम स्टेडियम अखाड़े की पहलवान मानसी अहलावत ने कांस्य पदक जीतकर दिवाली का तोहफा दिया है। इस खिलाड़ी ने 59 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। अखाड़े के कोच मनदीप ने खिलाड़ी को बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहा है। मानसी मूल रूप से झज्जर जिले की रहने वाली हैं और रोहतक के अखाड़े में अभ्यास करती हैं। छोटू राम स्टेडियम की पहलवान मानसी ने चैंपियनशिप के 59 किलो भार वर्ग में हिस्सा लिया था। इसमें बुधवार रात करीब 11 बजे उन्होंने कैनेडियन पहलवान ब्यूरिगार्ड को 5-0 से हराकर कांस्य पदक पक्का किया। यही नहीं, निर्णायक मंडल ने खिलाड़ी की जीत की घोषणा की तो समर्थक खुशी से झूम उठे। कोच मंदीप ने कहा कि मानसी से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी। वह इस पर खरी उतरी। पूर्व चैंपियन पहलवान अमेरिका की जैकेरा विनचेस्टर को 3-1 से हराना उनके बेहतर प्रदर्शन को दशार्ता है। पदक लेकर आने पर खिलाड़ी का जोरदार स्वागत किया जाएगा।

यौन उत्पीड़न के आरोपों में घिरे जींद एसपी का तबादला, राज्य महिला आयोग ने सीएम सैनी को लिखा था पत्र

चंडीगढ़। यौन आरोपों से घिरे जींद एसपी का तबादला कर दिया गया है। उन्हे अंबाला भेजकर रेलवे की जिम्मेदारी दी गई है। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर जींद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। आयोग ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि एसपी को उनके वर्तमान पद से तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि उन पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगे हैं। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया के मुताबिक कथित यौन शोषण के आरोपी पुलिस अधिकारी आयोग में पेश हुए। आयोग की अध्यक्ष ने उनसे करीब एक घंटे पूछताछ की। रेनू भाटिया ने कहा कि पुलिस अधिकारी के बयान के आधार पर मामले में अहम सुराग मिले हैं। हालांकि ये सुराग अफसर के खिलाफ हैं या पक्ष में, उन्होंने यह मामले की जांच पूरी होने के बाद ही उजागर करने का दावा किया। रेनू भाटिया ने बताया कि दिवाली के चलते पुलिसकर्मियों की प्रदेशभर में ड्यूटी लगी है। ऐसे में जांच की रफ्तार पर थोड़ा ब्रेक लगा है। दिवाली के बाद सात नवंबर को पांच महिला पुलिसकर्मियों को बयान देने के लिए बुलाया गया है।

पराली प्रबंधन का संदेश देने के लिए कृषि मंत्री ने खुद थामा ट्रैक्टर का स्टेयरिंग, गेहूं की बिजाई की

कुरुक्षेत्र/लाडवा। फसल अवशेष जलाने पर पाबंदी को लेकर न केवल कड़ी सख्ती बरती जा रही है बल्कि किसानों को भी जागरूक करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही। कृषि विभाग के साथ-साथ खुद कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी इसके लिए आगे आए और उन्होंने किसानों को फसल अवशेष न जलाने का संदेश देने के लिए खुद ही ट्रैक्टर का स्टेयरिंग संभाल लिया। सुपर सीडर के साथ उन्होंने एक एकड़ खेत में फसल अवशेषों को मिलाते हुए गेहूं की बिजाई की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भी ट्रैक्टर के आगे व पीछे चलते रहे तो कृषि अधिकारी ट्रैक्टर पर सवार रहे। भले ही कृषि मंत्री पहले भी किसान रहे हैं लेकिन अब मंत्री बनने के बाद उन्हें किसान के रूप में देख किसान भी उत्साहित दिखाई दिए। इस दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए हमें मिल जुलकर प्रयास करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले को लेकर बहुत गंभीर है। इसलिए किसान भी इस मामले की गंभीरता को समझें व पराली को खेत में ही मिलाएं। कृषि विभाग द्वारा आयोजित गांव बन में पराली प्रबंधन पर प्रदर्शन प्लॉट कार्यक्रम के दौरान किसान गुरदेव सिंह के खेतों में ट्रैक्टर चलाने के बाद किसानों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि पराली को खेतों में ही मिलाने से जहां खेत उपजाऊ होगा, वहीं भूमि की शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि खेतों में जितनी पराली को मिलाया जाएगा उतना ही भूमि में पानी को सोखने की क्षमता बढ़ेगी। जितना खेतों में पराली के फाने दबाएं जाएंगे उतना ही खेतों की शक्ति व उपजाऊ शक्ति बढ़ जाएगी। खेतों में उर्वरकों की खपत भी घट जाएगी व किसान खुशहाल होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि खेतों में खड़े फानों में पानी देने के बाद गेहूं की बिजाई करने पर लगभग 25 दिन के बाद पराली खेतों में बैठ जाती है तथा गेहूं ऊपर आ जाता है। इसलिए किसान इस विधि को अपना कर खेतों को उपजाऊ बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राइवेट सैलरों के साथ-साथ सरकारी सैलर लगाने के बारे में भी विचार किया जा रहा है। सरकार प्राइवेट सैलरों को आने वाली कठिनाइयों से भी परिचित है तथा उनके लिए भी कार्य योजना तैयार कर रही है।

सांसद कुमारी सैलजा ने चौ. दलबीर सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर हवन में हिस्सा लेकर की श्रद्धांजलि अर्पित

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. चौ. दलबीर सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन शोषित, वंचित व गरीबों की भलाई के लिए किया समर्पित: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण
हिसार

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय चौ. दलबीर सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान सांसद, विधायक, पूर्व विधायक व सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारियों सहित काफी संख्या में गणमान्य लोगों ने स्व. चौ. दलबीर सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करके उनके द्वारा किए गए जनकल्याण के कार्यों को याद किया।

इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने अपने पिता स्व. चौ. दलबीर सिंह की पुण्यतिथि पर हवन-यज्ञ में हिस्सा लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कुमारी सैलजा ने अपने पिता चौ. दलबीर सिंह की रचनात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीब, मजदूर,

शोषित व वंचित लोगों की भलाई के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। डाबड़ा चौक स्थित कुमारी सैलजा के आवास पर आयोजित हवन-यज्ञ में परमवीर विधायक, बलवान सिंह दौलतपुरिया विधायक, शीशपाल विधायक, चरणजीत सिंह रोड़ी पूर्व सांसद, आर के रंगा पूर्व आई ए एस, राजरानी पूनम पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, पूर्व मंत्री संपत सिंह, पूर्व विधायक शमशेर गोगी, जगन्नाथ पूर्व सदस्य एचपीएससी, पूर्व विधायक रिशाल सिंह, डॉ. अजय चौधरी, लाल बहादुर खोवाल प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट, केवी सिंह, जयपाल लाली, भूपेन्द्र गंगवा, रामनिवास राडा, प्रताप सिंह पातड़, बलजीत पातड़ ,राजेश पुरखासिया, जोगी राम सिहाग, नवीन केडिया, मंगत राम लालवास, राजेश चाडीवाल, हरिकिशन, हरपाल बुरा, धर्मवीर गोयत, राजू शर्मा, विजेंद्र कपूर, अरविंद शर्मा, शैलेश वर्मा, कृष्ण सातरोड, सूबे सिंह समैन, आनंद जाखड़, वीर भान मेहता, एडवोकेट बजरंग इंदल व जगदीश तायल, सहित काफी गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चौ. दलबीर सिंह द्वारा हरियाणा के विकास के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए सभी उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गई। चौ. दलबीर सिंह ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की और हर वर्ग के विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चौ. दलबीर सिंह का जन्म हिसार जिले के प्रभुवाला गांव में हुआ। उस समय पंजाब व हरियाणा का क्षेत्र संयुक्त पंजाब कहलाता था। उन्होंने पंजाब से अलग होते हरियाणा को करीब से देखा और बदलते राजनीतिक परिदृश्य को भी गंभीरता से समझा। चौ. दलबीर सिंह पर शुरू से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व जवाहरलाल नेहरू का काफी प्रभाव रहा। वे गांधीवादी विचारधारा व पंडित नेहरू की आधुनिक भारत के नवनिर्माण की विचारधारा का अनुसरण करने लगे। चौ. दलबीर सिंह को चार बार सांसद बनने का मौका मिला। सिरसा लोकसभा का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री के रूप में बड़ी कुशलता व तत्परता से कार्य किया। विभिन्न विभागों में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करते हुए चौ. दलबीर सिंह ने देशहित के बहुत से निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हमेशा ग्रामीण अंचल से जुड़े रहे और और विभिन्न योजनाएं लागू करने में विशिष्ट भूमिका निभाई। आज भी उस दौर के बुजुर्ग उनकी सादगी, ईमानदारी व उनके काम के किस्से गांव-गुहांड में सुनाते नजर आते हैं।

इस अवसर पर पहुंचे अनेक गणमान्यों ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चौ. दलबीर सिंह के पदचिह्नों पर चलते हुए और उनके सिद्धांत अपनाकर सांसद कुमारी सैलजा भी निष्पक्ष, बेदाग व जनहित की राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सैलजा की कार्यशैली, तत्परता, अनुशासन व रचनात्मक सोच सभी को प्रभावित करती है। सैलजा ने कभी भी पदों को अहमियत नहीं दी बल्कि कांग्रेस पार्टी के लिए हमेशा ईमानदारी से कार्य किया है और वर्तमान समय में भी पार्टी के विकास के लिए सतत रूप से प्रयत्नशील हैं। तीन दशकों के राजनीतिक जीवन में सर्व समाज को साथ लेकर चलते हुए सैलजा ने देश की राजनीति में सादगी, ईमानदारी व समर्पण की मिसाल कायम की है। अब सिरसा लोकसभा की सांसद के रूप में भी जनकल्याण के कार्य करने में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत ए बनाम ऑस्ट्रेलिया ए: ईश्वरन, नीतीश रेड्डी और प्रसिद्ध पर रहेगी नजर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

एजेंसी
मैकाय (ऑस्ट्रेलिया)

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच गुरुवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में अभिमन्यु ईश्वरन, नीतीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। ईश्वरन, नीतीश और प्रसिद्ध को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर विशेष निगाह रखेगी। इनमें ईश्वरन का प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अगर कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से पांच टेस्ट मैच की इस श्रृंखला के एक या दो मैच में नहीं खेल पाते हैं तो फिर इस 29 वर्षीय बल्लेबाज को पारी की शुरूआत करने का मौका मिल सकता है। ईश्वरन काफी

नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने का यह बेहतरीन मौका होगा

अनुभवी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अभी तक 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 7638 रन बनाए हैं जिसमें 27 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस समय अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया में परिस्थितियां पूरी तरह से भिन्न होगी। नीतीश के आंकड़े इतने प्रभावशाली नहीं हैं लेकिन वह तेज गेंदबाजी करने के अलावा अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और इसी वजह से चयन समिति ने चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शार्दुल ठाकुर पर उन्हें प्राथमिकता दी है। नीतीश के पास अपनी काबिलियत साबित करने का यह बेहतरीन मौका

होगा। प्रसिद्ध को बाद में भारत ए टीम में शामिल किया गया। प्रसिद्ध ने चोट से उबरने के बाद दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी में जो सात मैच खेले हैं उनमें वह सात विकेट ही ले पाए। लेकिन लगता है कि चयनकर्ता ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर उनके लंबे कद का फायदा उठाना चाह रहे हैं। इन तीनों के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन, तेज गेंदबाज यश दयाल और नवदीप सैनी तथा मध्य क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम का दरवाजा खटखटाना चाहेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन भी इस मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत ए: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, बी इंद्रजीत, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), मुकेश कुमार, रिकी भुई, नीतीश कुमार रेड्डी, मानव सुथार, नवदीप सैनी, खलील अहमद, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया ए: नाथन मैकस्वीनी (कप्तान), कैमरून बैनक्रॉफ्ट, स्कॉट बोलैंड, जॉर्डन बकिंघम, कूपर कोनोली, ओली डेविस, ब्रेंडन डोगेट, मार्कस हैरिस, सैम कोनस्टास, नाथन मैकएंड्रयू, माइकल नेसर, टॉड मर्फी, फर्गस ओ'नील, जिमी पीरसन, जोश फिलिप, कोरी रोचिसिओली, ब्यू वेबस्टर।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतना बेहद महत्वपूर्ण: कमिंस

एजेंसी
सिडनी

पैट कमिंस अभी तक भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम पर दर्ज करने के लिए बेताब हैं। कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते थे।

उनकी अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने नाम की लेकिन वह कभी भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए हैं। कमिंस ने मंगलवार को अपनी किताब के विमोचन के अवसर पर कहा, 'यह (भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जीत) वह महत्वपूर्ण चीज है जिसे मैं अपने नाम पर जोड़ना चाहता हूं। विशेष कर घरेलू धरती पर ऐसा करना महत्वपूर्ण होता है। जब भी हम घरेलू धरती पर खेलते हैं तो मेरी तरह ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर क्रिकेट प्रेमी हमसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं।' भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसे ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पिछली 16 टेस्ट श्रृंखलाओं में नहीं हराया है। उसकी टीम 2014-15 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाई है।

इस बीच भारत में चार बार यह ट्रॉफी जीती। इनमें से दो बार उसने आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, 'हम उनसे ऑस्ट्रेलिया में खेली गई पिछली दो श्रृंखलाओं में हार गए थे, इसके आगामी श्रृंखला हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमारी टीम इस समय बहुत अच्छी स्थिति में है और ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता जो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए।' उन्होंने कहा, 'हम जिस टीम के खिलाफ भी खेलें, हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन भारत की बात कुछ और है और इसलिए यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण होगा।' भारत को इस महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड से पहले दो टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं उसके स्टार बल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कमिंस ने कहा, 'जब भी कोई टीम दबाव में होती है तो उसके खिलाफ खेलना कोई बुरी बात नहीं होती है। लेकिन वह पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। हमारा काम उन्हें दबाव में बनाए रखने की कोशिश करना है।'

टी20 विश्व कप में भारत से हारने के बाद संन्यास लेने का विचार आया: मैथ्यू वेड

एजेंसी
मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने खुलासा किया है कि इस साल की शुरूआत में टी20 विश्व कप में उनकी टीम की भारत से हार के बाद पहली बार उनके मन में संन्यास लेने का विचार आया था।

भारत ने सेंट लूसिया में खेले गए सुपर आठ के इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा की 41 गेंद पर 92 रन की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था। भारत ने इस मैच में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई और आखिर में वह चैंपियन बनने में सफल रहा। हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेड ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा, 'भारत से हार के बाद शायद यह (संन्यास के बारे में विचार) मेरे मन में बैठ गया। तब मैंने सोचा कि यह मेरे क्रिकेट करियर का अंत है। वह वास्तव में भावनात्मक क्षण था।' टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आमतौर पर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने वाले वेड ने कहा कि विकेटकीपर के रूप में जोश इंगलिस के टीम में आने से वह अपने इस फैसले के प्रति अधिक दृढ़ हो गए थे। उन्होंने कहा, 'यह जोश इंग्लिश के लिए टीम में जगह बनाने का सही मौका था। हम सभी जानते हैं कि पिछले कुछ महीनो में उसने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। वह निश्चित तौर पर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार था। वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है और टीम को उसी की तरह के खिलाड़ी की जरूरत थी।'

आईसीसी ने श्रीलंका के सुमति धर्मवर्धने को एसीयू का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को श्रीलंका के सुमति धर्मवर्धने को अपनी भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) का नया स्वतंत्र अध्यक्ष नियुक्त किया। धर्मवर्धने को सर रोनी फ्लानगन की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया है। फ़्लानगन 14 साल तक इस महत्वपूर्ण पद पर रहे। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आज सुमति धर्मवर्धने की आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के नए स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की घोषणा की।' धर्मवर्धने ने श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल विभाग में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कई कानूनी मुद्दों में सरकार और उसके खेल मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया है। धर्मवर्धने ने इंटरपोल तथा संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ भी काम किया है। वह खेलों में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच भी कर चुके हैं।

अल्काराज और सितसिपास पेरिस मास्टर्स के तीसरे दौर में, रुबलेव हारे

एजेंसी
पेरिस

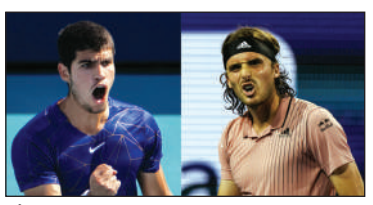

कार्लोस अल्काराज ने अपनी सर्विस पर कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद चिली के निकोलस जेरी को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अल्काराज को जैरी के मजबूत फोरहैंड से कई बार परेशानी हुई। चिली के खिलाड़ी ने नौवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। लेकिन जैरी ने अपने अगले सर्विस गेम में डबल फॉल्ट करके पहला सेट गंवा दिया। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, 'यह थोड़ा मुश्किल था। पहला सेट जीतकर वास्तव में तेज है।' चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्काराज साल के अपने पांचवें खिताब की तलाश में हैं। उनका अगला मुकाबला 15वीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट या अमेरिकी क्वालीफायर मार्कोस गिरोन से होगा। यूनान के दसवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास ने एलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 6-4 से हराकर साल के अंतिम टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत बनाए रखा। एटीपी फाइनल में चोटी के आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। नॉर्वे के तीन बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड अच्छी शुरूआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और ऑस्ट्रेलिया के गैरवरीय जॉर्डन थॉम्पसन से 7-6 (3), 3-6, 6-4 से हार गए। रूस के छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव ने दोनों सेट के टाईब्रेकर तक खिंचने से अपना आपा खो दिया और आखिर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है।

रोनाल्डो पेनल्टी चूके, अल नासर सऊदी कप से बाहर

रियाद (सऊदी अरब)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मिली पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए जिससे अल नासर को अल तावौन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा और उनकी टीम सऊदी अरब के घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट किंग्स कप से बाहर हो गई। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो ने लगभग दो साल पहले अल नासर के साथ अनुबंध किया था लेकिन वह अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। सऊदी अरब की प्रमुख नॉकआउट प्रतियोगिता के राउंड ऑफ 16 चरण के मैच में अल तावौन ने 20 मिनट शेष रहते हुए वलीद अल अहमद के हेडर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त बना ली। अल अहमद की 95वें मिनट में की गई गलती से अल नासर हो पेनल्टी मिल गई। रोनाल्डो ने अल नासर की तरफ से इससे पहले जो 18 पेनल्टी ली थी उन सभी को उन्होंने गोल में बदला था लेकिन इस बार उनका शॉट बार से टकरा गया। उनकी यह चूक टीम को महंगी पड़ी।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी पेरिस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी
पेरिस

भारत के स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की इस जोड़ी ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता में मंगलवार को एक घंटे 16 मिनट तक चले मैच में ब्राजील के मासेलो मेलो और और जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 7-6 से हराया। बोपन्ना और एबडेन ने अपनी पहली सर्विस में 91 प्रतिशत जीत हासिल की और मैच के दौरान चार ऐस लगाए। भारत और ऑस्ट्रेलिया की इस तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक लेते हुए शुरूआती सेट अपने नाम किया। बोपन्ना और एबडेन की मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोड़ी के पास दूसरे सेट के पांचवें गेम में सर्विस तोड़ने का मौका था, लेकिन मेलो और ज्वेरेव इसे टाईब्रेकर तक ले जाने में सफल रहे। बोपन्ना और एबडेन पहले ही सत्र के अंतिम टूर्नामेंट एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

दीवाली के मौके पर पटाखे जलाते समय बरतें सावधानी

रोशनी के पर्व दीवाली पर आतिशबाजी करने के दौरान छोटी-छोटी सावधानी बरत कर खुद को हादसों से बचाया जा सकता है। इसी के साथ जलने या पटाखा हाथ में फटने की स्थिति में जल्द प्राथमिक चिकित्सा का उपाय कर खुद को सुरक्षित कर सकते है। दीवाली पर पहले से अलर्ट होकर तैयारी करने से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। दीवाली का पावन त्यौहार ढेरो खुशियां लेकर आया है। इस त्योहार के दिनों में हर कोई पटाखे, आतिशबाजी, नए कपडे और मनपसंद व्यंजन के साथ छुट्टियो का पूरा लुफ्त उठाना चाहेंगे। दीवाली के आनंद के जोश के साथ साथ हमें कुछ खास एहतियात भी बरतनी चाहिए, जिससे कि अक्सर हर साल होनेवाली कुछ दुर्घटना से बचा जा सके। दीवाली के समय ज्यादातर दुर्घटना लापरवाही और अज्ञान कि वजह से होते है। अगर हम ठीक से ध्यान दे और थोड़ी सावधानी ले तो कई दुर्घटनाओ को टाला जा सकता है। दिपावली में अक्सर होने वाली इन दुर्घटनाओ से बचने के लिए एहतियात बरतने की जरुरत है।

पटाखे जलाते समय बरतें यह सावधानी

- पटाखे खुले मैदान में ही जलाएं।
- रॉकेट हमेशा उपर की ओर ही छोड़े।
- पटाखे जलाते समय सूती कपड़े ही पहनने चाहिए।
- पटाखे जलाने के दौरान पानी के साथ ही बालू-मिट्टी का इंतजाम करें।
- पटाखों में आग दूर से ही लगाएं।
- चिगारियां छोड़ने वाले पटाखों के पास नहीं जाएं।
- पटाखें जलाते समय जूते पहने।
- जो पटाखा न फूटे उसपर पानी या मिट्टी डाल दें।
- छोटे बच्चों व बुजुर्गो का भी ख्याल रखें।
- पटाखे जलाते समय बच्चो पर नजर रखे।
- पटाखे रखने के लिए अच्छी और सुरक्षित जगह को चुने। गर्दी वाले जगह पर पटाखे न जलाए।
- पटाखे छोटे बच्चो कि पहुच से दूर रखे।
- बच्चे पटाखे हाथ में रखकर न फोड़े और न ही पटाखे जलाकर किसी के ऊपर फेंक दे।

डाक्टरी सलाह

डॉक्टरों द्वारा दी गई सनाह के अनुसार पटाखों से जलने के बाद शरीर पर स्याही या कॉलगेट का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जलने के स्थान पर नल का पानी तब तक डालना चाहिए, जब तक जलन कम न हो जाए। जलने पर चूड़ियां व अंगूठियां जल्दी से उतार देना चाहिए, क्योंकि सूजन आने के बाद ये चीजें नहीं उतरती हैं। आंख में पटाखा या धुआं चले जाने पर रगड़ना नहीं चाहिए, आंख को दस मिनट तक पानी से धोना चाहिए। उन्होंने बताया कि पटाखों से निकलने वाला धुआं काफी हानिकारक होता है, इससे आंखों की रोशनी तक जा सकती है। हृदय रोगियों को ज्यादा आवाज वाले पटाखों से दूर रहना चाहिए, वहीं सांस की बीमारी वाले मरीजों को धुंए से परहेज करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

- ढ़ीले-ढ़ाले कपडे न पहने
- पटाखे जलाते समय दुपट्टा और साड़ी का पल्लू का ध्यान रखे।
- किसी भी ज्वलनशील पदार्थ से पटाखे दूर रखे जैसे दिया, मोमबत्ती या रसोईघर के पास।
- पटाखे जलाते समय हमेशा जूते या चप्पल पहनकर जलाए।
- एक समय पर एक ही व्यक्ति पटाखा जलाए।
- पटाखे जेब में रख कर न घूमे।
- पटाखे जलाते समय या आतिशबाजी करते वक़्त हमेशा पास मे पानी कि व्यवस्था रखे।
- हमेशा पटाखे खुली जगह पर और किसी को बाधा न पहुचे ऐसे स्थान पर जलाए।
- हमेशा अच्छी कंपनी के पटाखे खरीदे और उन्हें इस्तेमाल करने का तरीका सिख ले।
- पटाखे जलाते समय पटाखे से दुरी बनाए रखे। पटाखे के ऊपर झुक कर पटाखा न जलाए।
- पटाखे जलाने के लिए लंबी अगरबत्ती या फुलझड़ी का इस्तेमाल करे।
- अगर पटाखा नहीं फूटता है तो तुरंत पटाखे के पास न जाए।

पटाखे चलाते समय आंखों की सुरक्षा का रखें ध्यान, अपनाएं ये पांच सेफ्टी टिप्स

चश्मा पहनें: पटाखे जलाते समय अपनी आंखों को सुरक्षित रखने के लिए चश्मा लगाना न भूलें। यह उड़ने वाले मलबे और धुएं से आपकी आंखों की रक्षा करेगा।

आंखों को न छूएं: पटाखों में उपयोग होने वाले केमिकल्स गंभीर एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इसलिए, पटाखे जलाने के बाद आंखों को छूने या रगड़ने से बचें, इससे आंखों में सूखापन और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

बच्चों का ध्यान रखें: बच्चों की आंखें अधिक संवेदनशील होती हैं, इसलिए उन्हें पटाखों से दूरी बनाए रखने के लिए समझाएं। उन्हें यह भी बताएं कि पटाखे जलाते समय अगरबत्ती का उपयोग करें।

फुलझड़ियों से सतर्क रहें: फुलझड़ियां भले ही सुरक्षित लगें, लेकिन इन्हें जलाते समय सावधानी बरतना जरूरी है। ये कभी-कभी कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो गंभीर जलन का कारण बन सकती है।

सिर और चेहरा दूर रखें: आतिशबाजी या पटाखे जलाते समय हमेशा अपने सिर और चेहरे को दूर रखें। गर्म मलबे और हानिकारक धुएं से आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, किसी भी अप्रत्याशित स्थिति के लिए फर्स्ट एड किट तैयार रखना अच्छा रहेगा।

इन बातों का ध्यान रखकर आप दीवाली को सुरक्षित और खुशहाल बना सकते हैं। इस पर्व का आनंद लें, लेकिन अपनी और दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें!

दीवाली पर पटाखे चलाते समय बरतें ये 10 सावधानियां

दीवाली के अवसर पर आतिशबाजी से लगने वाली चोट के कारण अनेकों व्यक्ति अपनी आंखों की ज्योति हमेशा के लिए खो बैठते हैं। कुछ लोगों को तो पटाखे के कारण आंख में गंभीर चोट लगने के कारण उनका जीवन सदा के लिए अंधकार मय हो जाता है। इससे भी खेद की बात यह कि पटाखे से चोटिल अधिकांश 15 साल की उम्र से कम के बच्चे होते हैं। छोटे बच्चों अक्सर अपने आस-पास की आतिशबाजी को देखने अथवा अधजले पटाखों को दोबारा जलाने का प्रयास करते समय में ही गंभीर चोट के शिकार हो जाते हैं। अधिकांश बच्चों के माता-पिता व परिजन बच्चों को आतिशबाजी चलाते समय ध्यान नहीं दे पाते, जिससे गंभीर चोट लगने का खतरा और बढ़ जाता है। नेत्र सर्जनों द्वारा दिए गए परामर्शों के अनुसार आइए आपको बताते हैं पटाखे चलाते समय किन सावधानियों का विशेष ध्यान रखें।

- बोतल/मटके में रखकर पटाखे/रॉकेट नहीं चलाएं। बोतल या मटका फूट जाने पर पटाखा व कांच दोनों ही नुकसान करते हैं व गहरी चोट लगाते हैं।
- पटाखा न चले तो उसे पास न जाकर छुएं और न हीं देखें। अचानक पटाखा के फट जाने से पास खड़े बच्चे को यकायक चोट लग जाती है।
- हाथ में पकड़कर पटाखा न चलाएं, भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पटाखे न चलाएं।
- सड़क पर पटाखे, खासतौर से यातायात के बीच पटाखे न चलाए। इससे अनायास ही कोई राह चलता व्यक्ति पटाखे की चपेट में आ जाता है।
- पटाखे किसी सुरक्षित एवं खुले स्थान पर चलाएं।
- पटाखा एक बार में न चलें, तो दोबारा न जलाएं।
- पटाखे जलाते समय माता-पिता बच्चों पर विशेष निगरानी रखें। पटाखे जलाते समय आंखों की सुरक्षा के लिए सेफ्टी ग्लास का उपयोग करें।
- सूती कपड़े पहनें, ढीले कपड़ों से बचें व लटकते हुए स्कार्फ, दुपट्टे आदि पहनकर पटाखे न चलाएं।
- पटाखे एक-एक कर चलाएं और जो न चलें उन्हें अंत में पानी की बाल्टी में डाल दें। एक-दो बाल्टी पानी हमेशा पास रखें।
- आंख में चोट लगने पर तुरन्त नेत्र चिकित्सक से सम्पर्क करें।

'आम आदमी पार्टी' का धान की 'धीमी' उठान को लेकर भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार छोड़ी

एजेंसी
चंडीगढ़

- केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का दावा: 'अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए' केंद्र पर दोष मढ़ रही 'आप'

चंडीगढ़ में पुलिस ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब इकाई के उन नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछार की, जो राज्य में धान की धीमी उठान के विरोध में भाजपा कार्यालय का घेराव करने के लिए मार्च करने की कोशिश कर रहे थे।

हरजोत सिंह बैंस, हरभजन सिंह, लालजीत सिंह भुल्लर और तरुणप्रीत सिंह सोंद सहित पंजाब के कई मंत्री तथा अन्य पार्टी विधायक भी विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। पुलिस ने पंजाब के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के पास बैरिकेड लगाये थे। जैसे ही आप कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड लांघकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। इस दौरान बैंस की पगड़ी खुल गई। बैंस, विरोध प्रदर्शन का हिस्सा रहे उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी और कई अन्य पार्टी विधायकों और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कुछ समय के लिए हिरासत में लिया। हिरासत में लिए जाने से पहले, आप नेताओं ने पंजाब से खाद्यान्न भंडार नहीं उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में मामले को संज्ञान में लाने के बावजूद उसने इस पर ध्यान नहीं दिया। सोंद ने आरोप लगाया कि केंद्र पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है और मौजूदा समस्या के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया। हरभजन सिंह ने कहा, 'पिछले भंडार को नहीं उठाया गया

है। हम कई महीनों से केंद्र से अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया।''

हरजोत बैंस ने दावा किया कि केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अब निरस्त हो चुके कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के लिए उन्हें दंडित कर रही है। हालांकि, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दावा किया कि आप सरकार ''अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए'' केंद्र पर दोष मढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''बेहतर होता कि पंजाब के मंत्री और विधायक चंडीगढ़ में विरोध प्रदर्शन करने के बजाय राज्य की मंडियों में समय देते।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने पहले ही पंजाब सरकार को फसल खरीद के लिए 44,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं, लेकिन आप सरकार अपना कर्तव्य निर्वहन करने में असमर्थ है। इससे पहले मंगलवार को पंजाब के मंत्री एवं आप के वरिष्ठ नेता अमन अरोड़ा ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ खड़े होने के लिए किसानों से बदला लेने का आरोप लगाया था। अरोड़ा ने एक बयान में आरोप लगाया, ''वे जानबूझकर किसानों और कमीशन एजेंट के लिए मुश्किलें पैदा करने के लिए उठान प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं।'' उन्होंने पंजाब से खाद्यान्न भंडार न निकालने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य के गोदामों में ताजा फसल रखने के लिए जगह नहीं है। आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और पंजाब से चावल के भंडार को निकालने में तेजी लाने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप करने की मांग की।

दीवाली पर रात्रि आठ से दस बजे तक चलाएं ग्रीन पटाखे: डॉ. यश गर्ग

- जिला में ग्रीन पटाखों को छोडकर बेरियम साल्ट वाले पटाखों के उत्पादन, बिक्री व पटाखे बजाने पर रहेगी रोक

सिटी दर्पण
पंचकूला

जिलाधीश डॉ. यश गर्ग ने आगामी 31 जनवरी तक वायु गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए जिला में बेरियम साल्ट वाले पटाखों के उत्पादन, बिक्री व पटाखे बजाने पर रोक लगा दी है। केवल दिवाली, गुरु पर्व और क्रिसमस के दिन सीमित समय में ग्रीन पटाखे ही चलाए जा सकते हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशो में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार अधिक मात्रा में पटाखे चलाने से वातावरण दूषित हो सकता है, जिससे श्वास व अन्य रोगियों को भारी तकलीफ होती है। सरकार के दिशा-निर्देश व हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुझाव पर अमल करते हुए वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के लिए पटाखों की बिक्री व उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया जाता है। जो कि आगामी 31 जनवरी, 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान दीवाली और गुरु पर्व के दिन रात को केवल आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं। इसी प्रकार क्रिसमस से एक दिन पहले रात को 11.55 से 12.30 बजे तक ये ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, विस्फोटक अधिनियम के तहत जारी किए आदेश में जिलाधीश ने कहा है कि जोर की आवाज करने वाले पटाखे तथा पटाखों की लड़ियां आदि के उत्पादन तथा बेचने पर रोक रहेगी। पटाखों की वजह से वायु प्रदूषण इंडेक्स 2.5 से दस पॉइंट तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी वायु इंडेक्स पर निगरानी बनाए रखेंगे। पुलिस, स्थानीय शहरी निकाय, अग्निशमन व पंचायत विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि बाजारों में अन्य पटाखों की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाए।

लोहपुरुष की जयंती पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन: यश गर्ग

पंचकूला। लोहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर 31 अक्तूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में आयोजित इस रन फॉर यूनिटी में लोगों को सांसद राज्य सभा कार्तिकेय शर्मा द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई जाएगी और रन फोर यूनिटी को झण्डी दिखाकर रवाना किया जाएगा। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि रन फॉर यूनिटी में कई विभागों के 2000 से अधिक विद्यार्थी, कर्मचारी भाग लेंगे। ताऊ देवालाल खेल स्टेडियम में प्रातः 7 बजे आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले नागरिक राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे।

एफसीआई और राज्य एजेंसियों ने 28 तक 60.63 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- केंद्र ने पंजाब में अब तक किसानों के बैंक खातों में सीधे 12200 करोड़ रुपये वितरित किए हैं
- अब तक कुल 14,066 करोड़ रुपये की धान खरीद हुई है, जिससे 3,51,906 किसान लाभान्वित हुए

28 अक्तूबर 2024 तक मंडियों में कुल 65.75 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है जिसमें से 60.63 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद राज्य एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम द्वारा की जा चुकी है। 28 अक्तूबर तक पंजाब के किसानों के बैंक खातों में 12200 करोड़ रुपये की राशि सीधे भेजी जा चुकी है। खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2024-25 में धान की खरीद 1 अक्तूबर 2024 से शुरू हो गई है और धान की सुचारू खरीद के लिए पूरे पंजाब में 1000 अस्थायी यार्ड सहित 2,927 नामित मंडियां खोली गई हैं। केंद्र ने इस आगामी केएमएस 2024-25 के लिए 185 एलएमटी का अनुमानित लक्ष्य तय किया है। केएमएस 2024-25 के लिए ग्रेड 'ए' धान के लिए केंद्र द्वारा तय 2320 रुपये की एमएसपी दर पर धान की खरीद की जा रही है और अब तक कुल धान की खरीद 14,066 करोड़ रुपये की हुई है और इससे 3,51,906 किसान लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा, 4145 मिलर्स ने धान की छिलाई के लिए आवेदन किया है और वे मंडियों से धान उठा रहे हैं। इसलिए राज्य नवंबर के अंत तक 185 एलएमटी धान का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गत दिवस मंडियों में 3820 मीट्रिक टन धान की खरीद और 3517 मीट्रिक टन का हुआ उठान

पंचकूला। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि जिला पंचकूला की तीनों अनाज मंडियों में 29 अक्तूबर मंगलवार को 3820 मीट्रिक टन धान की आवक हुई। विभिन्न एजेंसियों द्वारा 3820 मीट्रिक टन धान की खरीद कर ली गई है। साथ ही सभी अनाज मंडियों से 3517 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। उपायुक्त ने बताया कि गत दिवस पंचकूला अनाज मंडी में 780 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी में 820 मीट्रिक टन और रायपुर रानी अनाज मंडी में 2220 मीट्रिक टन धान की आवक हुई। मंडियों में पहुंची धान की हैफेड द्वारा खरीद की गई। उन्होंने बताया कि हैफेड ने पंचकूला से 780 मीट्रिक टन, रायपुर रानी से 2220 मीट्रिक टन और हरियाणा वेयर हाउस ने बरवाला अनाज मंडी से 820 मीट्रिक टन धान का उठान किया। डॉ. यश गर्ग ने बताया कि जिला की सभी अनाज मंडियों में अभी तक 81125 मीट्रिक टन धान की आवक हुई है।

द कोणार्क एकेडमी' में दीपावली पर अनेक गतिविधियों का किया आयोजन

अनिल गोयल
लाडवा (सिटी दर्पण)

द कोणार्क एकेडमी', लाडवा में दीपावली पर्व के उपलक्ष में सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दीया सजाना, रंगोली, तोरण, शुभकामना कार्ड बनाना आदि। सभी सदनों के विद्यार्थियों ने पूर्ण उत्साह से बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने हिंदी भाषण, कविता, भजनों की प्रस्तुति द्वारा अनूठा समाँ बाँध दिया। कला विभाग व संगीत विभाग के अध्यापकों द्वारा भजनों की प्रस्तुति ने भाव-विभोर कर दिया। धनतेरस, गोवर्धन पूजा व नृत्य नाटिका द्वारा दीपावली मनाने के उद्देश्यों को उजागर किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को "स्वच्छ दीपावली, खुशहाल दीपावली" मनाने का संदेश दिया गया। विद्यालय प्राचार्या अंजनी सिंह व विद्यालय प्रमुख एस. एस. शर्मा ने अपने संबोधन में सभी को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने पटाखा मुक्त दीपावली मनाने व रामचंद्र, कृष्ण और अनेक महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कुल मिलाकर कार्यक्रम मनोरंजन, प्रेरणादायक, परंपराओं से परिचित कराने व स्वस्थ मानसिकता का विकास करने में सक्षम रहा।

एमसी पंचकूला में आई 6 शिकायतों में से चार का मौके पर हुआ निपटान

पंचकूला। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग के मार्गदर्शन में आज सेक्टर-4 स्थित नगर निगम पंचकूला के कार्यालय व नगर परिषद कालका में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में शहरवासियों द्वारा छह समस्याएं अधिकारियों के सामने रखी गई, इनमें से मौके पर ही चार समस्याओं का समाधान किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त एवं नगर निगम कमीश्नर सचिन गुप्ता ने बताया कि शिविर में 5 शिकायतें प्राप्त हुई। प्रॉपर्टी आईडी से सम्बन्धित चार शिकायों का मौके पर ही निपटान कर दिया गया। शिविर में सेक्टर-9 निवासी सोमनाथ ने गार्बेज चार्ज को वापस करने की शिकायत दी है। सेक्टर सात निवासी अशीष ने एनडीसी जारी करने की शिकायत दी है। सेक्टर-4 निवासी अनिल कुमार ने शिकायत में नई प्रॉपर्टी आईडी बनाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सुनीता रानी और सेक्टर-25 निवासी हरिओम भारद्वाज ने अपनी प्रॉपर्टी आईडी में नाम, एरिया और मोबाइल नंबर को ठीक करने की गुहार लगाई हैं।

राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति के विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पीजीजीसी, से-46 चंडीगढ़ के लोक प्रशासन विभाग ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया, जिसका विषय था राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना था। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह की शुरूआत प्रिंसिपल प्रोफेसर जेके सहगल ने डीन श्रीमती अनुराधा मित्तल और वाइस प्रिंसिपल प्रोफेसर स्नेह हर्षिंदर शर्मा की मौजूदगी में एक रैली को हरी झंडी दिखाकर की। 28 अक्तूबर 2024 को कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों को पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में भ्रष्टाचार और अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ शपथ दिलाई गई। छात्रों ने शासन और लोक प्रशासन में ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पोस्टर बनाए। स्पिन द व्हील इवेंट में चार टीमों ने अपनी किस्मत आजमाई। इस अवसर पर बोलते हुए प्रिंसिपल सहगल ने कहा कि इस वर्ष की थीम, 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति' बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम मानते हैं कि ईमानदारी की संस्कृति वह नींव है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब हम ईमानदारी बनाए रखते हैं, तो हम एक ऐसा माहौल बनाते हैं जहाँ पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता पनपती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के सभी रूपों से लड़ना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे कार्य नैतिकता के उच्चतम मानकों के अनुरूप हों। इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन लोक प्रशासन विभाग की प्रमुख डॉ. मीनाक्षी मदान ने किया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस भगवान धनवंतरी की पूजा वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार

पंचकूला। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, में 9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेद के प्राचीन विज्ञान और स्वास्थ्य में उसके योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि पूजा और हवन से हुआ, जिसे विभाग के सहायक प्रोफेसर चंद्र मोहन ने संपन्न कराया। इस पवित्र अनुष्ठान में सभी की समृद्धि और चिकित्सकों के लिए स्वस्थ ऊर्जा की कामना की गई। संस्थान के संकाय और स्टाफ ने नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का वर्चुअल साक्षात्कार लिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13,000 करोड़ रूपए के स्वास्थ्य पहलों का उद्घाटन किया। एनआईए पंचकूला में मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रांत अध्यक्ष, आरोग्यभारती पवन गुप्ता हरियाणा और मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद विभाग, नाइपर, मोहाली प्रो. संजय जाचक उपस्थित रहे।

समाज सेवक एवं चार्टेड अकाउंटेंट प्रीतिश गोयल ने दीपावली और बंदी छोड़ दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

समाज सेवक एवं चार्टेड अकाउंटेंट प्रीतिश गोयल ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। गोयल ने कहा कि इस वर्ष दीपावली का पर्व ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। भगवान श्रीरामलला 500 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद अपने धाम में विराजमान हुए हैं। अयोध्याधाम में भगवान श्रीरामलला की पावन जन्मभूमि पर बने नव्य-भव्य-दिव्य मन्दिर में भी असंख्य दीप प्रज्वलित होंगे। इसके साथ ही उन्होंने बंदी छोड़ दिवस की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि छठे पातशाह गुरु हरगोबिंद साहिब जी द्वारा ग्वालियर किले से 52 राजाओं की रिहाई का प्रतीक ऐतिहासिक बंदी छोड़ दिवस भी दिवाली के पवित्र दिने मनायो जातो है।

13 वीं बटालियन सीआरपीएफ की कमांडेंट कमल सिसोदिया ने अपनी बटालियन के जवानों के साथ मनाई दिवाली

चंडीगढ़। 13 वीं बटालियन सीआरपीएफ की कमांडेंट कमल सिसोदिया ने अपनी बटालियन के जवानों के साथ धूमधाम से दीपावली का त्यौहार मनाया। बटालियन के सेक्टर 43 स्थित कैंप में इस अवसर पर चण्डीगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष एचएस लक्की, कांग्रेस प्रवक्ता कृष्ण लाल, वरिष्ठ समाजसेवी देवेंदर सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रूबी गुप्ता, श्री चैतन्य गौड़िया मठ, सेक्टर 20 के प्रवक्ता जेपी गुप्ता व समाजसेवी प्रकाश सैनी आदि भी इस अवसर पर सम्माननीय अतिथियों के तौर पर उपस्थित रहे व सबने अपने घरों से दूर रह रहे जवानों के साथ दीपोत्सव मनाया व आतिशबाजी की एवं मिठाइयां भी बांटी। कमांडेंट कमल सिसोदिया ने बताया की उन्होंने आज तक अपने घरवालों की बजाए अपने जवानों के साथ ही दीपावली मनाई है। एचएस लक्की ने इन जवानों के साथ दीपावली मानाने के अवसर को अपने लिए बड़े सौभाग्य की बात बताया जबकि जेपी गुप्ता ने कमांडेंट कमल सिसोदिया के ऊजार्वान नेतृत्व की सराहना की।

के बी स्कॉलर्स स्कूल में रही दिवाली की धूम

सिटी दर्पण
लाडवा

के बी स्कॉलर्स स्कूल में दिवाली का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर स्कूल में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें दिया डेकोरेशन, कैंडल डेकोरेशन, बंदनवार, रंगोली कार्ड मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, डिबेट, लघु नाटिका, नृत्य गायन, भाषण आदि शामिल थी ; कक्षा 4 से 10 तक के विद्यार्थियों ने दिवाली मेले का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार की खाद्य पदार्थों की स्टोल्स लगाई। इन स्टॉल्स के माध्यम से बच्चों को शिक्षा का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त हुआ। स्कूल के संचालक डॉक्टर एस सी जिंदल ने बच्चों को बताया कि दिवाली का त्यौहार क्यों मनाया जाता है। स्कूल के प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने बच्चों को दीपावली की बधाई दी और उन्हें सुखद व स्वच्छ दिवाली मनाने का संदेश दिया। शिक्षकों ने कहा कि स्कूल में पढ़ाई का मानसिक तनाव न हो। इसलिए इस तरह से आयोजन से बच्चों में क्रिएटिविटी वर्क को निकालने के साथ-साथ पढ़ाई के बोझ को कम करने का प्रयास किया जाता है। सभी बच्चों ने प्रदूषण नहीं दिवाली मनाने का संकल्प लिया।

हिन्दू हाई स्कूल में दिवाली पर्व पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

सिटी दर्पण
लाडवा

बुधवार को हिंदू हाई स्कूल में दीपावली महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के प्रबंधक कमेटी के प्रधान पवन गर्ग ने सभी बच्चों, अध्यापक व अध्यापिकाओं को धनतेरस दिवाली व भैया दूज की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को बताया कि भारतवर्ष में दीपावली का त्योहार प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। इस दिन भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण सहित 14 वर्ष का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। इस उपलक्ष में दिवाली का त्यौहार मनाया जाता है। स्कूल की प्रधानाचार्य योगिता अहलूवालिया ने बच्चों को दिवाली की बधाई देते हुए बताया कि दिवाली प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। भगवान राम के आगमन पर अयोध्या नगरी को बेहद सुंदर तरीके से सजाया गया था। वहां के नगरवासियों ने दीपक जलाकर उनका भव्य स्वागत किया था। तभी से यह परंपरा भारत में चली आ रही है इस दिन दीपक जलाकर रोशनी की जाती है। यह पर्व कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। यह त्यौहार एकता व सद्भावना का प्रतीक होता है। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपका भविष्य उज्जवल हो और आप जीवन में अच्छे संस्कार प्राप्त करें। अपने माता-पिता की सेवा करें। बच्चों ने स्कूल के प्रांगण को रंगोली से सजाया। विद्यार्थियों ने अपनी कक्षाओं को बड़े सुंदर तरीके से सजाया। विद्यार्थियों ने विद्यालय में दीपक जलाकर स्कूल प्रांगण को जगमग कर रोशन किया। बच्चों ने एक दूसरे को मिठाई खिला कर दिवाली की शुभकामनाएं दी।

भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को अत्याधुनिक डिजिटल बढ़ावा

बीमारियों को रोकने में टीकों की भूमिका वर्ष 1796 से ही अहम साबित होती आ रही है, जब जानलेवा बीमारी चेचक के विरुद्ध पहला टीकाकरण किया गया था। पिछले 50 सालों में ही टीकों से वैश्विक स्तर पर 15 करोड़ से अधिक लोगों की जानें बचाई गई हैं, जो प्रत्येक वर्ष प्रति मिनट 6 लोगों की जान बचाने के बराबर है।

जीवन रक्षा भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) का एक प्रमुख अभियान है। प्रत्येक वर्ष 2.6 करोड़ से ज्यादा नवजात शिशुओं को यूआईपी के तहत खसरा, डिप्थीरिया, पोलियो आदि 12 रोकथाम योग्य बीमारियों के विरुद्ध टीके लगाए जाते हैं। ये रोग जीवन के लिए खतरा हो सकते हैं या बच्चे के स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

यद्यपि, यह कार्यक्रम वर्ष 1985 में शुरू हुआ था, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसका अधिक तेजी से विस्तार हुआ है। भारत सरकार के मिशन इंद्रधनुष जैसे सघन अभियानों के परिणामस्वरूप टीकाकरण कवरेज 90% से अधिक तक बढ़ गई है। तथापि, 100% टीकाकरण कवरेज हासिल करने के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ बनी हुई हैं। कुछ क्षेत्रों और समुदायों में टीकाकरण के प्रति हिचकिचाहट से लेकर पलायन के कारण बीच में ही टीकाकरण छोड़ देने जैसे कई ऐसे कारण हैं जिनसे कुछ बच्चों का टीकाकरण आंशिक रूप से ही हो पाता है या बिल्कुल नहीं हो पाता।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सरकार ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और हर बच्चे और गर्भवती महिला का टीकाकरण करने के मिशन के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने टीकाकरण कवरेज का अधिकतम विस्तार करने के लिए यू-विन (यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम-विन) नामक एक तकनीकी समाधान की परिकल्पना की है। यू-विन एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे भारत में सभी गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण की स्थिति को इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीकृत और मॉनिटर करता है।

यू-विन अनिवार्य रूप से एक नाम-आधारित रजिस्ट्री है, जो कहीं भी, कभी भी टीकाकरण की सुविधा प्रदान करती है। लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस प्लेटफॉर्म पर टीकाकरण प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए इसमें कई विशेषताएं मौजूद हैं। गर्भवती महिलाएँ यू-विन ऐप या पोर्टल के जरिए खुद को पंजीकृत कर सकती हैं या पंजीकरण के लिए निकटतम टीकाकरण केंद्र में जा सकती हैं।

एक बार पंजीकृत होने के बाद स्वास्थ्य परिचर गर्भवती महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण टीकाकरण को ट्रैक कर सकते हैं, प्रसव के परिणामों को रिकॉर्ड कर सकते हैं, नवजात शिशु को पंजीकृत कर सकते हैं जिससे कि उनका भी टीकाकरण कार्यक्रम आरंभ किया जा सके। इस टीकाकरण-कार्यक्रम को कार्यक्रम प्रबंधक तब तक ट्रैक कर सकते हैं, जब तक कि बच्चा 16 वर्ष का न हो जाए। यू-विन से माता-पिता और अभिभावकों को काफी सुविधाएं मिलती हैं, जिनसे वे देश में कहीं भी टीकाकरण सेवाओं तक पहुँच सकते हैं और सिर्फ.एक बटन क्लिक करके अपने बच्चों को सुरक्षित कर

सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर अपॉइंटमेंट बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जो प्रवासी कामगारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

यू-विन 11 भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे प्लेटफॉर्म की पहुँच और अधिक व्यापक हो गई है। रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण इसकी एक अन्य प्रमुख विशेषता है। हर बार जब कोई सत्यापित लाभार्थी टीका लगवाता है, तो तत्समय डिजिटल टीकाकरण का रिकॉर्ड बन जाता है। लाभार्थियों को एक डिजिटल पावती और एक क्यूआर-आधारित प्रमाण-पत्र भी मिलता है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है और चलते-फिरते सत्यापन के लिए मोबाइल डिवाइस पर संग्रहित किया जा सकता है, जो विशेष रूप से स्कूल में प्रवेश और यात्रा के लिए उपयोगी होता है।

इसके अलावा, प्लेटफॉर्म आगामी टीकाकरण की खुराकों के लिए एसएमएस द्वारा सूचना और अनुस्मारक भेजता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि अभिभावक और स्वास्थ्य परिचर्याकर्मी खुराकों के बीच निर्धारित न्यूनतम अंतराल का पालन करें।

यू-विन एक इंटीग्रेटर के रूप में कार्य करता है, जो माता-पिता/अभिभावकों, डॉक्टरों, स्वास्थ्य परिचर्या कर्मियों और व्यापक स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली को एक ही मंच पर लाता है। यू-विन के माध्यम से पूरे देश में टीकाकरण की प्रगति एवं कवरेज की प्रभावी निगरानी आसानी से की जा सकती है। यू-विन के लाभार्थियों द्वारा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) एवं शिशु आभा आईडी बनायी जा सकती है। इससे रोगी की पूर्व सहमति से उसकी चिकित्सकीय जानकारी चिकित्सा पेशेवरों को उपलब्ध हो सकती है। इससे चिकित्सा पेशेवरों द्वारा एक ही नजर में रोगी के पूर्व-चिकित्सा विवरण को समझकर उसके इलाज के परिणामों में सुधार लाया जा सकता है।

यू-विन टीकाकरण की देय सूची बनाने में एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं की भी सहायता करता है और लाभार्थियों को समय पर टीका लगाना सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रयासों में सहयोग करता है। पिछले 10 वर्षों में, भारत ने स्वास्थ्य परिचर्या में क्रांति लाने के लिए देश में ही विकसित स्वास्थ्य प्रणालियों पर भरोसा किया है। वर्ष 2014 में शुरू किए गए इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (ई-विन) ने टीकों को प्राप्त करने, संग्रहीत करने और अंतिम छोर तक वितरित करने के तरीके को बदल दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान, दुनिया ने भारत के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम हेतु आधारभूत प्रौद्योगिकी को-विन की सफलता देखी, जिसने 18 महीने से भी कम समय में कोविड-19 टीकाकरण की 220 करोड़ खुराकें लगाने में मदद की। अब यू-विन से टीकाकरण सेवाओं का समस्त परिदृश्य परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे टीकाकरण कवरेज में काफी सुधार होगा। भारत जैसे-जैसे एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, सुदृढ़ टीकाकरण कार्यक्रमों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता सिर्फ एक स्वास्थ्य पहल नहीं है बल्कि यह भविष्य के लिए एक आधारभूत निवेश है। उन्नत डिजिटल अवसंरचना और व्यापक जन स्वास्थ्य कार्यनीतियों के माध्यम से अपने सबसे कम उम्र के नागरिकों के टीकाकरण को प्राथमिकता देकर भारत न केवल रोकथाम योग्य बीमारियों से लड़ रहा है, बल्कि एक स्वस्थ, और आर्थिक रूप से सक्षम आबादी को भी बढ़ावा दे रहा है।

ये प्रयास एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं, जहाँ कोई भी बच्चा जीवन रक्षक टीके लगवाने से वंचित न रहे, चाहे वह जम्मू और कश्मीर के बर्फीले क्षेत्रों में हों, कच्छ के रेगिस्तान में, अरुणाचल प्रदेश की सीमाओं पर या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के नीले पानी से घिरे गाँवों में रहता हो।

जगत प्रकाश नड्डा
लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं।